www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 83 || लखनऊ
मंगलवार
23 जून 2026 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:13
सूर्यास्त: 07:03
अधिकतम: 40°00
न्यूनतम: 30°00

पेज 07 »

विशेष समाचार
युद्धविराम से आगे: क्या विश्व ... » पेज 04
बेटे के बर्थडे की रात पिता की... » पेज 06
विराट कोहली ने औजला के ...

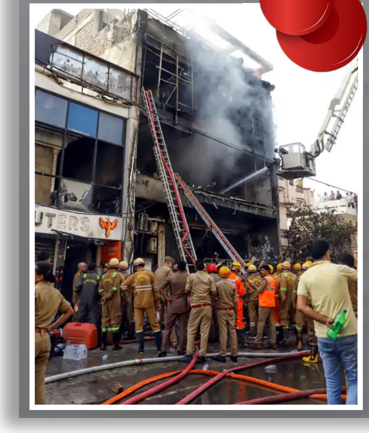

जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। जयंत नाम के एक बच्चे ने पहले फ्लोर से कूद कर जान बचाई। लेकिन वह नीचे ग्रिल पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड पर मायावती ने जताया दुख

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में हुई अग्निकांड की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की घटना बेहद दुखद है।

अग्निकांड में 19 वर्षीय शहजान उमर की मौत

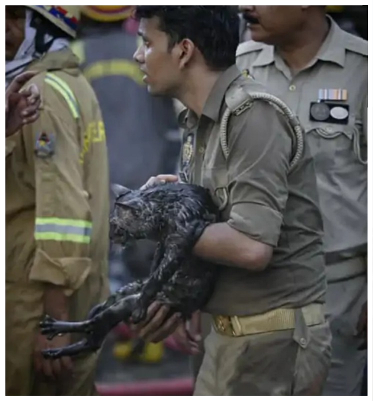

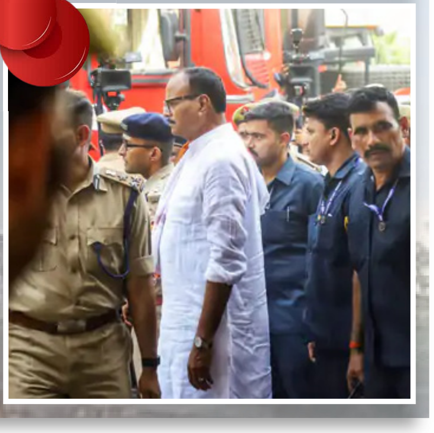

लखनऊ अग्निकांड : आग की लपटों में घिरी इमारत

लखनऊ की कोचिंग में आग, इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स, बचने के लिए बाथरूम में छिपे, दम घुटा, एसी में शॉर्ट सर्किट की आशंका

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और 12 पुरुष हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं। जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3D आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है। अभी आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बेसमेंट में लगे AC में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। SDRF और NDRF भी पहुंची थीं। फायर-कर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा, जिससे शव निकाले हैं। घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

घटनास्थल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

युवक बोला- बाहर आया तो धुआं भरा था, कुछ दिखाई नहीं दे रहा था

एक युवक ने बताया कि मैं अंदर था। बैग उठाकर बाहर आया। PC बंद करने के लिए बाहर निकला तो चारों तरफ धुआं फैल चुका था। मैं दूसरी मंजिल पर था। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। मैं किसी तरह बाहर आया। बाकी ज्यादा लोग अंदर थे। करीब आधे घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंची, हमने फोन किया था।

चश्मदीद बोला- बिजली के खंभे से शॉर्ट सर्किट हुआ, ऊपर तक फैल गई आग

पेट्स शॉप में काम करने वाले एक चश्मदीद ने बताया कि बिजली के खंभे से शॉर्ट सर्किट हुआ और इसके बाद आग ऊपर की ओर फैल गई और धुआं भरने लगा। मैं बीच वाले फ्लोर पर था।

हमने कुछ पेट्स निकाल लिए हैं। कुछ पेट्स अभी भी नीचे फंसे हुए हैं। कुछ लोग बाहर नहीं निकल पाए।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आग लगने की घटना में हुई मौतों से बहुत दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हों। बचाव कार्य चल रहा है और अधिकारी हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। रेस्क्यू टीम ने आग और धुएं के बीच फंसे जानवरों को बाहर निकालकर बचाया। अग्निकांड में मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम हाउस लाए जा रहे हैं। फिलहाल 2 शव पोस्टमार्टम हाउस पहुंच चुके हैं।

हादसे में सुखमणि सिंह की मौत, भाई बोला- दम घुटने से गई जान

हादसे में सुखमणि सिंह (23) की मौत हुई है। उसके भाई ने बताया- सुखमणि चार सालों से नौकरी कर रहा था। उसकी मौत दम घुटने से मौत हुई है। पोस्टमार्टम हाउस पर भाई मिल गया, लेकिन अब वह जिंदा नहीं रहा।

एंबुलेंस कम पड़ीं, डिप्टी सीएम पाठक रो पड़े

घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं।

मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

परिजनों से सीएम योगी बोले- किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड मामले में KGMU में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि इस घटना में जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी इस मामले में जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सीएम का ऐलान- मृतकों के परिजनों को 5 लाख और घायलों को 50 हजार दिए जाएंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगंज कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

15 लोगो की मौत

जो छात्र नीचे कूदा उसके पेट में कई जगह ग्रिल घुस गई।

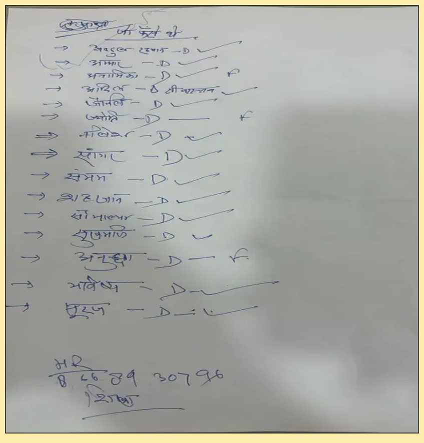

मरने वालों में तीन महिलाएं और 12 पुरुष, सामने आई लिस्ट

राहुल गांधी बोले- हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में कई लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। राहुल गांधी ने शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

फास्ट न्यूज

गॉडजिला अल नीनो से भारत में सूखा का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली। भारत समेत दक्षिण एशिया के कई देशों में सूखा और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह गॉडजिल अल नीनो की मजबूत होती स्थिति है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (JPL) के मुताबिक पश्चिमी प्रशांत महासागर में 1997 के बाद ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं। 29 साल पहले इतिहास का सबसे शक्तिशाली अल नीनो बना था।

15 दिन बाद आगे बढ़ा मानसून, छत्तीसगढ़ पहुंचा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। 15 दिन से छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटका मानसून सोमवार को आगे बढ़ा है। इसकी दंतेवाड़ा के रास्ते में राज्य में एंट्री हो गई है। बस्तर संभाग में तेज बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम ने मानसून को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही मानसून ने महाराष्ट्र के भी कई और इलाकों को कवर किया है। इसके 25 जून के बाद मध्य प्रदेश में एंट्री करने की संभावना हैं। तमिलनाडु के थूथूकोडी में रविवार को बवंडर आया। पहले इसे टॉरनेडो बताया गया था।

पिकअप वाहन ट्रक से टकराया, 6 मजदूरों की मौत

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा-बैतूल नेशनल हाईवे पर एक पिकअप वाहन की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार मजदूर दूर जा गिरे। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे टेमनी खुर्द के पास हुआ। मृतकों में 4 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं।

राहुल की स्कूबा डाइविंग पर 26 करोड़ खर्च

कांग्रेस बोली- रिजिजू बदनामी फैलाने वाले मंत्री बने

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस और भाजपा के बीच ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर चल रही राजनीतिक जंग अब राहुल गांधी की स्कूबा डाइविंग तक पहुंच गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया कि राहुल गांधी की अंडमान में की गई स्कूबा डाइविंग पर 26 करोड़ खर्च किए गए थे। इस बयान के बाद कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार को रिजिजू पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अब "मानहानि मंत्री" की भूमिका अपना ली है। टैगोर ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री का बयान तथ्यों से परे है। उनका मकसद अंडमान-निकोबार में पर्यटन को हतोत्साहित करना है। या फिर वे ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर उठ रहे सवालों से लोगों का ध्यान भटका रहे हैं। भारत सरकार के मुताबिक यह लगभग 90,000 करोड़ की बहुउद्देश्यीय परियोजना है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट, बिजली संयंत्र और एक नया टाउनशिप बनाने की योजना है। सरकार का कहना है कि यह भारत की समुद्री सुरक्षा, व्यापार और इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए जरूरी है।

किरेन रिजिजू

यूएई, भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीद सकता है

एयर डिफेंस सिस्टम आकाशतीर पर भी बातचीत जारी, मिडिल ईस्ट तनाव के बीच रक्षा सहयोग बढ़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और UAE के बीच रक्षा क्षेत्र में नई बातचीत शुरू हुई है। रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, UAE भारत की ब्रह्मोस मिसाइल और आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। इस संबंध में दोनों देशों के बीच शुरुआती चर्चा चल रही है। ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में शामिल है। इसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया किया है। यह मिसाइल जमीन, समुद्र और फाइटर जेट से दागी जा सकती है। हालांकि यह भारत-रूस का जॉइंट प्रोजेक्ट है, इसलिए इसके निर्यात के लिए रूस की मंजूरी जरूरी होती है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले में किसी बड़ी रुकावट की संभावना नहीं है। हाल के महीनों में ईरान-इजराइल जंग और मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण सुरक्षा चुनौतियां बढ़ी हैं। इसी वजह से UAE अपनी सैन्य ताकत मजबूत कर रहा है। तेल और व्यापार के लिए अहम होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है। ब्रह्मोस के साथ-साथ UAE भारत के आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम को भी खरीदना चाहता है। इस सिस्टम को भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) ने मिलकर तैयार किया है। इसका काम हवाई खतरों का पता लगाना, उनकी निगरानी करना और कई एयर डिफेंस यूनिट्स के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। इससे हवाई सुरक्षा व्यवस्था अधिक तेज और प्रभावी बनती है। भारत पिछले कुछ सालों से डिफेंस एक्सपोर्ट को बढ़ाने पर जोर दे रहा है। देश का रक्षा निर्यात करीब 4 अरब डॉलर (38 हजार करोड़) पहुंच चुका है। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के बाद भारत ने वियतनाम के साथ भी ब्रह्मोस एक्सपोर्ट की डील की है। वहीं, इंडोनेशिया के साथ बातचीत अंतिम चरण में बताई जा रही है। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली व कल्पुर्जे बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। अर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे।

» (शेष पेज 06 पर)

ब्रह्मोस के बारे में जानें

- ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसे पनडुब्बी, शिप, एयरक्राफ्ट या जमीन कहीं से भी छोड़ा जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मॉस्क्वा नदियों के नामों को मिलाकर बनाया गया है।
- ब्रह्मोस रूस की P-800 ओकिंस क्रूज मिसाइल टेक्नोलॉजी पर आधारित है। इस मिसाइल को भारतीय सेना के तीनों अंगों, आर्मी, नेवी और एयरफोर्स को सौंपा जा चुका है।
- ब्रह्मोस मिसाइल के कई वर्जन मौजूद हैं। ब्रह्मोस के लैंड-लॉन्च, शिप-लॉन्च, सबमरीन-लॉन्च एयर-लॉन्च वर्जन की टेस्टिंग हो चुकी है।
- जमीन या समुद्र से दागे जाने पर ब्रह्मोस 290 किलोमीटर की रेंज में मैक 2 स्पीड से (2500किमी/घंटे) की स्पीड से अपने टारगेट को नेस्तनाबूद कर सकती है।
- पनडुब्बी से ब्रह्मोस मिसाइल को पानी के अंदर से 40-50 मीटर की गहराई से छोड़ा जा सकता है। पनडुब्बी से ब्रह्मोस मिसाइल दागने की टेस्टिंग 2013 में हुई थी।

बैठक : 4 साल में दूसरी टूट, शिंदे बोले- छक्का लगाया, आदित्य ने पाला बदलने वालों को बिकाऊ कहा

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पार्टी बदलने का ऐलान किया। इस दौरान शिंदे ने कहा- जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए। उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने X पर लिखा- पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया। 6 सांसदों के शामिल होने के बाद लोकसभा में शिंदे गुट के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। वहीं उद्धव गुट में 9 में से सिर्फ 3 सांसद बचे हैं। 2022 के बाद शिवसेना में दूसरी बार टूट हुई। इससे पहले उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों (MLC) के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक में उद्धव गुट के 4 विधायक निजी कारणों से नहीं पहुंचे। पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 288 में 20 सीटें जीती थीं।

» (शेष पेज 06 पर)

शिवसेना से पहले आप-टीएमसी के 27 सांसद बागी हुए

पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या NDA को समर्थन दिया है। इनमें 7 AAP के राज्यसभा सांसद और 20 TMC के लोकसभा सांसद हैं। शिवसेना (UBT) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता BJP में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं।

उद्धव ने कहा- भाजपा दूसरों के बच्चे चुराने का काम करती है। बालठाकरे की बनाई शिवसेना ने 30 साल तक कांग्रेस से लड़ाई लड़ी। लेकिन कांग्रेस ने कभी शिवसेना को खत्म करने या उसका नाम छीनने की कोशिश नहीं की।

बंगाल में बीजेपी के पहले बजट में 1 लाख नौकरियां

33% महिला आरक्षण, बेरोजगारों को 3000 मासिक भत्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की BJP सरकार ने सोमवार को अपना पहला बजट पेश किया। वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती का ऐलान किया। इनमें 20 हजार पुलिस और 50 हजार शिक्षक और गैर-शिक्षकीय पद शामिल हैं। इनमें 33% नौकरियां महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। अग्निवीरों को 10% आरक्षण मिलेगा। सरकार ने कहा कि 1 अक्टूबर से सरकारी कर्मचारियों का DA 18% से बढ़ाकर 38% किया जाएगा। महिलाओं के अन्नपूर्णा योजना पर 36 हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे। सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया है। सरकार ने कहा कि उसे पिछली TMC सरकार से ₹8.15 लाख करोड़ का कर्ज मिला है। इसके बावजूद प्रशासनिक सुधार और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था बनाने पर जोर दिया जाएगा।

21 जून की रात 10:48 बजे यूपी ने दर्ज की अब तक की सबसे बड़ी पीक डिमांड सप्लाई

योगी सरकार ने बिजली आपूर्ति में रचा इतिहास

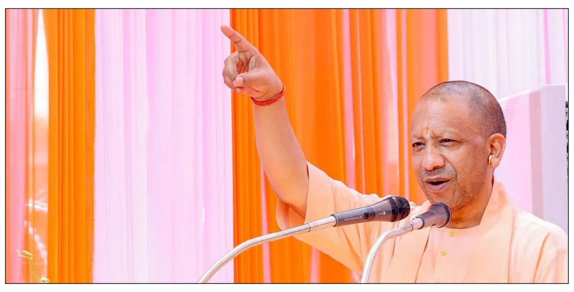

- बिजली आपूर्ति में उत्तर प्रदेश नंबर-1 बना, टूटा महाराष्ट्र का रिकॉर्ड
- बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड पर, निर्बाध सप्लाई बनाए रखने में जुटे
- उपकेंद्रों पर अधिकारियों का लगातार निरीक्षण, गुणवत्ता पर विशेष फोकस

कीर्तिमान

32348
मेगावाट मांग पूरी कर बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश ने बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करते हुए देशभर में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने 21 जून को रात 10:48 बजे 32,348 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग की सफल एवं निर्बाध पूर्ति कर इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में अब तक की सर्वाधिक पीक पावर डिमांड पूरी करने वाला राज्य बन गया है। इससे पहले 13 मई 2026 को महाराष्ट्र ने 32,317 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

उपकेंद्रों का अधिकारी कर रहे लगातार निरीक्षण

प्रदेश भर में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उपकेंद्रों का निरीक्षण भी लगातार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं को हर स्थिति में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। शिकायतों के त्वरित निस्तारण और फील्ड रिस्पॉन्स टाइम को बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार

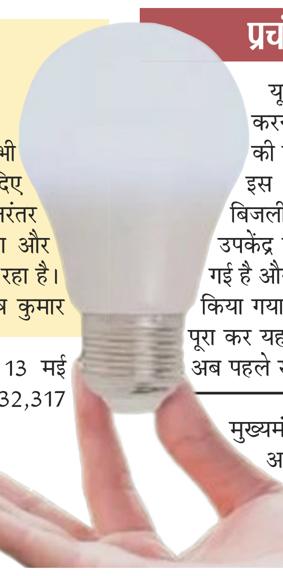

प्रचंड गर्मी में बिजली की मांग चरम पर

यूपी जैसे विशाल राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति करना एक बड़ी चुनौती रही है। लेकिन योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। प्रदेश में बिजली अवसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार नए उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई है और पुराने उपकरणों को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया गया है। उत्तर प्रदेश ने रिकॉर्ड मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और सक्षम हो चुकी है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में बिजली व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। 21 जून को रात 10:48 बजे 32,348 मेगावाट रिकॉर्ड पीक डिमांड आपूर्ति की गई है।

बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड में डटे

प्रदेश भर में बिजलीकर्मी दिन-रात मैदान में डटे हुए हैं। चाहे तूफानी रात हो, भारी बारिश हो या चिलचिलाती गर्मी, बिजलीकर्मी हर परिस्थिति में उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और सुचारु बिजली आपूर्ति करने में जुटे हैं। रात्रिकालीन मेंटेनेंस कार्यों के माध्यम से विभिन्न जिलों में बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों और उपकेंद्रों की नियमित जांच की जा रही है।

काकोरी में एकसाथ 158 लोगों पर मुकदमा

हादसे के बाद हाईवे जाम किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। काकोरी क्षेत्र के गोला कुआं गांव के पास सड़क हादसे में युवक हिमालय गौतम की मौत के बाद रविवार को परिजनों और किसान नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान हाईवे जाम करने का प्रयास किया गया, जिससे कुछ देर यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल 158 लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इनमें 8 लोग नामजद हैं और शेष 150 लोगों की पुलिस वीडियो के आधार पर कर रही है।

शनिवार रात हुए हादसे में हिमालय गौतम की जान चली गई थी। पोस्टमॉर्टम के बाद उनका शव गांव पहुंचने की सूचना मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (हिंदुस्तान) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद सलमान अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। किसान नेताओं और परिजनों ने आरोपी थार चालक की तत्काल गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

- अस्पताल से लौट रहे युवक को थार ने उड़ा दिया था

फास्ट न्यूज

सपा सांसद के दल-बदल की अफवाहों पर शिकायत दर्ज

दुबग्गा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के दल-बदल की अफवाहों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और पोस्ट के संबंध में सांसद के मुख्य सलाहकार टीबी सिंह ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने भ्रामक प्रचार कर सांसद और पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर में तानों से तंग भांजी ने मामी को मार-डाला

गोरखपुर। गोरखपुर के जंगल बब्बन में महिला की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। मृतका की ही भांजी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने तानों से परेशान होकर अपनी मामी को फोन कर बुलाया। फिर जंगल ले गई। वहां चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।

घटना स्थल पर पुलिस को दो तरह की चूड़ियां मिलीं। इसमें ऑरेंज कलर की चूड़ी मृतका के हाथ में मिली। इसके बाद हरी कलर की चूड़ी लेकर पुलिस हत्यारोपी की तलाश में जुट गई।

सिविल अस्पताल में युवक का हंगामा

लखनऊ। हजरतगंज स्थित सिविल अस्पताल में रविवार रात को एक युवक ने जमकर हंगामा किया। युवक ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की, जिससे वह खुद भी घायल हो गया। हाथ में शीशे का टुकड़ा लेकर उसने अपना गला काटने की धमकी दी और आसपास मौजूद लोगों की ओर भी शीशा तानने दौड़ पड़ा। हंगामे के दौरान युवक ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ अभद्रता की।

सपा सांसद के दल-बदल की अफवाहों पर शिकायत दर्ज

सलाहकार ने छवि धूमिल करने का आरोप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के दल-बदल की अफवाहों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और पोस्ट के संबंध में सांसद के मुख्य सलाहकार टीबी सिंह ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने भ्रामक प्रचार कर सांसद और पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सपा जिला उपाध्यक्ष टीबी सिंह ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने और जनता को भ्रमित करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी 37 सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में एकजुट हैं। दल-बदल की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उनका कहना था कि राजनीतिक लाभ के लिए झूठे वीडियो और भ्रामक पोस्ट वायरल किए जा रहे हैं।

इस दौरान सांसद प्रतिनिधि तरुण रावत ने बिना नाम लिए तंज कसा। उन्होंने कहा कि ₹कुछ छुटभैये नेता बिच्छू का मंत्र नहीं जानते और सांप के बिल में हाथ डाल रहे हैं।₹ रावत ने नेताओं को विपक्ष पर टिप्पणी करने के बजाय अपने संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देने की सलाह दी।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 20 जनपदों के एसआरजी-डायट मेंटर शामिल

निपुण भारत मिशन को नई धार

- लखनऊ में मास्टर ट्रेनर्स का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शुरू
- मिशन मोड में करें काम, 2026-27 तक हर बच्चा हो निपुण
- जिला-ब्लॉक स्तर तक पहुंचेगा प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 2026-27 तक कक्षा-3 का हर बच्चा निपुण₹ के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रशिक्षण की श्रृंखला को और मजबूत कर दिया है। इसी क्रम में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) आधारित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का दूसरा चरण सोमवार को इंदिरानगर सेक्टर-सी स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के सभागार में शुरू हुआ। प्रशिक्षण के प्रथम दिन अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों से आए राज्य संदर्भ समूह (एसआरजी) सदस्यों एवं डायट मेंटरों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस लक्ष्य को हासिल करने में मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका निर्णायक होगी। आप सभी मिशन के सारथी हैं। कक्षा-कक्ष में जो बदलाव आएगा, उसकी नींव यहीं से तैयार होगी। प्रशिक्षण को औपचारिकता न मानें, इसे मिशन मोड में लेकर जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा

दीक्षा, निपुण टीचर ऐप, रीडिंग कैंपेन जैसे डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम को पूरी तरह सहभागितापूर्ण और व्यवहारिक स्वरूप में तैयार किया गया है। प्रदर्शन, चिंतन, सहकर्मी अधिगम, समूह चर्चा और कक्षा में प्रत्यक्ष उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण से प्राप्त शैक्षणिक समझ और कौशल सीधे शिक्षण व्यवहार में परिलक्षित हों और विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में गुणात्मक सुधार हो।

आनंद पांडेय भी उपस्थित

इस अवसर पर समग्र शिक्षा के वरिष्ठ विशेषज्ञ आनंद पांडेय भी उपस्थित रहे। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में आधारभूत भाषा एवं गणितीय दक्षताओं के विकास के लिए प्रभावी कक्षा-कक्ष क्रियान्वयन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दक्षता आधारित शिक्षण पद्धति, गतिविधि आधारित शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएं, कैच एप आधारित शिक्षण प्रक्रिया, टेन प्वाइंट ऑफ टीचिंग, प्रिंट-समृद्ध शैक्षणिक सामग्री एवं टीएलएम के उपयोग, प्रभावी कक्षा मूल्यांकन तथा स्कूल व शिक्षकों की प्रेरक सक्सेज स्टोरी जैसे नवाचारी मॉड्यूल पर गहन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) से अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को मिल रहा सहारा

योगी सरकार की पहल बनी बच्चों के जीवन का आधार

- यूपी में 1,03,611 बच्चे योजना से हो रहे लाभान्वित
- सीएम योगी के मार्गदर्शन में शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) उन बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है, जिन्होंने अपने माता-पिता अथवा उनमें से किसी एक को खो दिया है। इसके साथ ही बालश्रम, भिक्षावृत्ति एवं वैश्यावृत्ति जैसी परिस्थितियों से मुक्त कराकर पुनर्वासित बच्चों को भी इस योजना के माध्यम से पारिवारिक वातावरण में बेहतर जीवन उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार बाल संरक्षण और पुनर्वास को लेकर विशेष रूप से गंभीर नजर आ रही है। बालश्रम और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याओं से मुक्त कराए गए बच्चों को परिवार आधारित वातावरण में पुनर्वासित कर मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आर्थिक सहायता से बच्चों को मिल रहा बेहतर भविष्य

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं, ऐसे युवक-युवतियां जिन्होंने माता-पिता दोनों अथवा उनमें से किसी एक को खो दिया है, उन्हें 18 से 23 वर्ष की आयु तक स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा करने के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपए की सहायता दी जा रही है। योगी सरकार की इस पहल से बच्चों की शिक्षा और भविष्य सुरक्षित हो रहा है। वर्तमान समय में प्रदेशभर में कुल 1,03,611 बच्चे इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सहायता किसी संबल से कम नहीं है। योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना नहीं, बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करना भी है।

> प्रदेश के सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत आने वाले समस्त पात्र बच्चों की प्राथमिकता के आधार पर पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिया जाए। इसके लिए जिले स्तर पर व्यापक सर्वेक्षण, सत्यापन एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि पात्रता रखने वाला कोई भी बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रहे।

राम मंदिर का चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारी हटाए

सीसीटीवी बढ़ाए गए, धर्म सेना अध्यक्ष का मोदी को लेटर

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारियों को सोमवार को हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को ड्यूटी में लगाया गया है। हटाए गए कर्मचारियों को दूसरी जगह ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके अलावा, गणनास्थल पर 3 CCTV बढ़ाए गए हैं। अब CCTV की संख्या 4 हो गई है।

इधर, धर्म सेना के अध्यक्ष संतोष दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है।

चढ़ावा चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) आज CM योगी आदित्यनाथ को शुरुआती रिपोर्ट सौंप सकती है। टीम रविवार शाम को योगी से मिलने पहुंची थी, लेकिन उनके मानसून सेशन की मीटिंग में व्यस्त होने की वजह से मुलाकात नहीं सकी थी। SIT ने जिन लोगों से पूछताछ की, उन्हें अगले आदेश तक अयोध्या से बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है।

इनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी शामिल हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि गोपाल राव अयोध्या छोड़कर कर्नाटक चले गए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि उन्होंने SIT को अयोध्या छोड़ने के बारे में बताया या नहीं। रिपोर्टर ने उनके नंबर पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। मैसेज भेजकर भी प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। पार्टी प्रमुख अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

गबन : बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में फर्श पर लेटे ग्राहक

अंदर घुसकर नारेबाजी की, कामकाज ठप कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में एक बार फिर सोमवार को ग्राहकों ने प्रदर्शन कर दिया। 25 से ज्यादा खाताधारकों ने शाखा पहुंचकर कामकाज ठप करा दिया। अंदर घुसकर नारेबाजी की। कई ग्राहक फर्श पर बैठे तो कई लेट गए। उनका आरोप है कि FD के नाम पर बैंक मित्र ने उनसे लाखों रुपए लिए लेकिन FD नहीं की।

खाताधारकों का आरोप है कि बैंक मित्र शिवा राव और उसके साथी दीपक ने अधिक ब्याज का लालच देकर उनसे एफडी के नाम पर लाखों रुपए जमा कराए थे। बाद में उन्हें पता चला कि उनके नाम पर कोई वैध एफडी नहीं की गई थी।

22 मई को बैंक के हेड ऑफिस में प्रदर्शन के बाद 22 जून को पैसा वापस आने का आश्वासन मिला था, जो नहीं हुआ। पीड़ितों ने बताया कि 22 मई को बैंक के हेड ऑफिस में अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्हें 22 जून तक पैसा वापस करने का आश्वासन दिया गया था। तय समय सीमा पूरी होने के बावजूद भुगतान नहीं होने से गुस्साए खाताधारक सोमवार दोपहर करीब 12 बजे बैंक पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। खाताधारकों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिलेगी, तब तक बैंक का कोई भी कार्य नहीं होने दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बैंक का मुख्य गेट बंद कर दिया गया और सभी लोग अपनी मांगों को लेकर बैंक के अंदर ही डटे रहे।

प्रदर्शन में रुचि गौतम (6 लाख रुपए), सुषमा (2 लाख), सरोजिनी (10 लाख), टिंकू (2 लाख), गुड़िया (1.60 लाख), मोनी राजपूत (1 लाख), फूलचंद (5 लाख), जयश्री (7 लाख), रामादेवी (1.80 लाख) और अनीता वर्मा (2 लाख) सहित कई अन्य पीड़ित शामिल थे।

निर्वाचन : भाजपा के 5 पार्षद, सपा ने सुबह प्रत्याशी बदलकर महिला को उतारा

लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी में 6 सदस्य निर्विरोध चुने गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की कार्यकारिणी समिति में सोमवार को 6 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इसमें 5 पार्षद भाजपा के चुने गए हैं और सपा की एक पार्षद शामिल है। सपा के वरिष्ठ पार्षद यायावर हुसैन रेशू को तय माना जा रहा था लेकिन सुबह नाम ममता रावत का भेज दिया गया।

2 वर्षीय कार्यकाल वाली इस कार्यसमिति के 6 सदस्यों का इसी महीने कार्यकाल समाप्त हुआ था। कार्यकारिणी समिति के चुनाव के लिए लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय के त्रिलोकनाथ सभागार में सुबह 11 बजे विशेष अधिवेशन बुलाया गया था। भाजपा ने 5 पार्षदों के नाम घोषित किए थे। दूसरी पार्टियों ने एक भी नाम नहीं भेजे थे। समाजवादी पार्टी ने 1 नाम देने के लिए रातभर मंथन किया। लगभग तय था कि यायावर हुसैन रेशू का नाम भेजा जाएगा। लेकिन, चुनाव से कुछ घंटे पहले विपक्षी दल के नेता कामरान बेग ने ममता का नाम दे दिया। चरनजीत सिंह गांधी अभी तक नगर निगम की उपाध्यक्ष थीं। उनको पिछले साल उपाध्यक्ष चुना गया था।

अभी ये 6 सदस्य कार्यरत

पुराने सदस्य जिनका अभी कार्यकाल चल रहा है, उनमें भाजपा के अरुण राय, पृथ्वी गुप्ता, पिंकी रावत, राजेश सिंह गब्बर, संदीप शर्मा और सपा के रामनरेश चौरसिया शामिल हैं। इस साल 1 जून को 6 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया था। उनमें भाजपा के भृगुनाथ शुक्ला, अनुराग मिश्रा, गौरी सांवरिया, कृष्ण नरायन सिंह, चरनजीत गांधी और सपा की सबा हसन मंसूरी शामिल थीं।

विपक्षी दल के नेता की बात ममता ने मेयर से कराई

सपा की ओर से पहले जगदीश चंद्र बोस वार्ड से लगातार 6 बार जीत दर्ज करने वाले पार्षद यायावर हुसैन रेशू को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना देर रात तक थी, लेकिन सुबह सदन में अचानक पहली बार भरवारा मल्हौर वार्ड से पार्षद बनी ममता रावत को टिकट दे दिया गया। टिकट देने की जानकारी महापौर को ममता रावत ने दल के नेता कामरान बेग से फोन पर बात कराकर दी। चुनाव के दौरान सपा पार्षद दल के नेता कामरान बेग सदन में मौजूद नहीं रहे।

गोमती नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाएंगे

सुशील तिवारी पम्मी ने कहा- संगठन ने हम लोगों पर विश्वास दिखाकर कार्यकारिणी में भेजा है। अब निश्चित रूप से कार्ययोजना बनाकर लखनऊ के लिए काम करेंगे। इस बार स्वच्छता में लखनऊ पहले नंबर पर होगा। हम लोग गोमती नदी पर विशेष ध्यान देंगे। उसे स्वच्छ और निर्मल बनाएंगे। हमारे यहां कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम पर मंथन करके संगठन देता है, उसके बाद कोई कुछ नहीं बोलता। हर तरह से जातियों का समावेश करके नामों की घोषणा की गई थी। ऐसा नहीं था कि और भी नाम प्रस्ताव में नहीं थे। नाम थे लेकिन मंथन करने के बाद जिन नामों पर निर्णय आ गया, वही फाइनल होते हैं।

सीएम योगी पर टिप्पणी, मिरकापुर में तनाव

विवाद

बाराबंकी में चार नामजद आरोपियों पर मुकदमा, मंत्री ने दिए कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के दरियाबाद थाना क्षेत्र के मिरकापुर गांव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया। आरोप है कि टिप्पणी से नाराज कुछ लोगों ने एक परिवार के घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बन गया है। सूचना के बाद पुलिस ने मामले में चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पूरा विवाद सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो गया है।

बताया जा रहा है कि घटना का एक वीडियो रविवार का है, जो अब व्यापक रूप से शेयर किया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन और पुलिस पर भी स्थिति को संभालने का दबाव बढ़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार, हंगामे के दौरान मौके पर दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया था। इसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा देर रात मिरकापुर गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और अधिकारियों को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए। मंत्री ने यह भी कहा कि मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

घर में घुसकर मारपीट और धमकी का आरोप

पीड़ित परिवार रंजना वर्मा और उनके बेटे गोलू वर्मा का आरोप है कि कुछ लोग अचानक उनके घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। मामले को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया।

चार नामजद आरोपियों पर केस दर्ज

दरियाबाद थाना पुलिस ने इस मामले में जकरिया, आदिल, जीशान सहित चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जरूरत पड़ने पर आईटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं।

प्रशासन सतर्क, गांव में पुलिस बल तैनात

फिलहाल गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान न देने और कानून व्यवस्था बनाए रखने को कहा है।

अवैध खनन पर विधायक आशा मौर्य की शिकायत

खुद जाम में फंसने पर भड़की विधायक, डीएम को फोन कर कार्रवाई के निर्देश दिए

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापु। सीतापुर के महमूदाबाद विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक आशा मौर्य ने क्षेत्र में हो रहे कथित अवैध मिट्टी खनन और परिवहन को लेकर जिलाधिकारी राजा गणपति आर से फोन पर शिकायत करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। रविवार को क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में जाते समय विधायक ने बड़ी संख्या में मिट्टी से भरी ट्रॉलियों को गांव के अंदर से गुजरते देखा, जिसके बाद उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से नाराजगी जताई। विधायक आशा मौर्य ने बताया कि वह तुरसैना गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं, तभी पंचायत भवन के पास करीब नौ मिट्टी से लदी ट्रॉलियां सड़क पर खड़ी और आवागमन

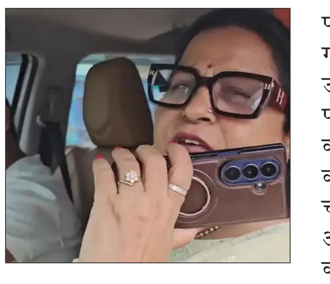

करती दिखाई दीं। उन्होंने फोन पर डीएम राजा गणपति आर को बताया कि कई वाहनों पर नंबर प्लेट नहीं थी और न ही मिट्टी को नियमों के अनुसार ढककर ले जाया जा रहा था। इससे सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई थी और दुर्घटना की आशंका भी बढ़ गई थी।

फोन पर हुई बातचीत में विधायक ने कहा कि उन्होंने खनन अधिकारी से भी बात की थी। खनन अधिकारी की ओर से वाहनों के पास अनुमति होने की बात कही गई, लेकिन विधायक ने सवाल उठाया कि यदि अनुमति है तो भी परिवहन संबंधी नियमों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रॉलियों को ढककर चलाना, नंबर प्लेट लगाना और अन्य सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है।

विधायक ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि नई बनी सड़कों को भारी वाहनों और मिट्टी के परिवहन से नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही गांवों के भीतर छोटे बच्चों और आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। उन्होंने संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को मौके पर फोर्स भेजकर वाहनों की जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

अखिलेश यादव के जातिवादी होर्डिंग हटाए गए

हरदोई। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश सचिव रामज्ञान गुप्ता और समाजवादी युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष हरिनाम सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में लगाए गए कुछ होर्डिंग्स में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जातिवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया था, जिन्हें सपा कार्यकर्ताओं ने हटा दिया। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सामाजिक भेदभाव और असमानता वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बढ़ी है।

गलत स्क्रूटनी पर की गई कर्मचारी पर कार्रवाई : एआरटीओ

उन्नाव। उन्नाव में एआरटीओ कार्यालय में डेटा एंट्री ऑपरेटर द्वारा लगाए गए आरोपों पर विभाग ने स्पष्टीकरण दिया है। एआरटीओ अधिकारी श्वेता वर्मा ने कर्मचारी शिव सिंह के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि शिव सिंह के खिलाफ नियम विरुद्ध कार्य और गलत स्क्रूटनी के कारण कार्रवाई की गई थी। श्वेता वर्मा ने बताया कि डेटा एंट्री ऑपरेटर शिव सिंह कई मामलों में गलत स्क्रूटनी कर रहे थे। इस संबंध में उन्होंने संबंधित कंपनी को कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था। उच्च अधिकारियों को भी इसकी प्रतिलिपि भेजी गई थी।

नवीन गंगापुल निर्माण में बाधा बने मकानों पर कार्रवाई

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में नवीन गंगापुल निर्माण में बाधा बन रहे मकानों को हटाने के लिए सोमवार को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, जेई कुंदन और लेखपाल प्रशांत अवस्थी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। हालांकि, मशीन खराब होने के कारण टीम को वापस लौटना पड़ा। पुल निर्माण से प्रभावित स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों के सामने पुनर्वास की मांग रखी।

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां पूरी

उन्नाव में व्यवस्थाएं तय हुई, शिव सेना और भूत-प्रेत की झांकियां निकलेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को भव्य और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए दूसरी बैठक आयोजित की गई। इसमें समिति के पदाधिकारियों, वरिष्ठ सदस्यों और युवाओं ने भाग लिया। बैठक में यात्रा की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह बैठक राजधानी मार्ग स्थित मां बालेश्वरी स्मृति भवन, गिरधर ज्वेलर्स, नेहरू नगर में हुई। समिति के सदस्यों ने अपने सुझाव दिए, जिन पर चर्चा की गई। इन सुझावों को यात्रा की व्यवस्थाओं में शामिल करने की योजना बनाई गई, ताकि रथ यात्रा शांतिपूर्ण और भव्य हो सके। बैठक में रथ यात्रा में शामिल होने वाली झांकियों, ढोल-नगाड़ों और अन्य आकर्षणों पर भी बात

हुई। समिति ने बताया कि शिव-पार्वती, राधा-कृष्ण, मां काली, हनुमान जी, गणेश जी, शिव सेना और भूत-प्रेत की झांकियां श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण होंगी। ये झांकियां और धार्मिक प्रस्तुतियां यात्रा की शोभा बढ़ाएंगी। नगर में दो रथ यात्राएं निकाले जाने की चर्चाओं पर समिति अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि गोपीनाथपुरम स्थित खाटू श्याम मंदिर में भगवान जगन्नाथ जी की प्रतिमा स्थापित है।

निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिरा

क्रेन से उठाकर रखते समय फिसला, 2 मजदूर दबे, शारदा नहर पर बन रहा है

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शारदा नहर पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिर गया। हादसे में 2 मजदूर दब गए। दोनों की हालत गंभीर है। हादसा उस वक्त हुआ, जब सोमवार सुबह पुल पर 70 फीट का सीमेंट स्लैब क्रेन से चढ़ाया जा रहा था। हादसे के बाद क्रेन-बुलडोजर से स्लैब हटाकर घायलों को निकाला गया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायलों की पहचान सिधौली निवासी राहुल (30) और गेंदालाल (35) के रूप में हुई है। डीएम अनुनय झा ने मामले को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रहे पुल को आरसीएल

(RCL) कंपनी बनवा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब डेढ़ माह पहले भी निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिर गया था। NHI के असिस्टेंट इंजीनियर पुष्पेश यादव ने बताया लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग के तहत शाहाबाद से हरदोई के खेतुई गांव तक करीब 600 करोड़ का प्रोजेक्ट है इसी के तहत बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम सैदपुर के पास ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है। शाहाबाद से हरदोई तक यह प्रोजेक्ट नवंबर 2023 से शुरू हुआ था। जिसको नवंबर 2025 में पूरा हो जाना था, लेकिन हाई टेंशन लाइन की शिफ्टिंग की वजह से निर्माण कर अब तक पूरा नहीं हो पाया है।

29 मई को हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा था, 6 की हुई थी मौत

29 मई को हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब रात 2 बजे गिर गया था। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई थी। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला था। उस वक्त अफसरों ने बताया था कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए।

यूपी में पिछले 8 सालों में हुए पुल हादसों के बारे में जानिए

- **19 मार्च 2026:** चंदौली में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज का स्लैब नीचे गिर गया। घटना में किसी की जान नहीं गई।
- **29 अप्रैल 2025:** महाराजगंज में निर्माणाधीन ओवरब्रिज का एक हिस्सा अचानक ढह गया। हादसे में कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।
- **अप्रैल 2025:** बिजनौर में निर्माणाधीन ओवरब्रिज के दो बड़े गार्डर अचानक गिर पड़े। इस घटना में किसी की जान नहीं गई।
- **15 मई 2018:** वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन के पास बन रहे फ्लाईओवर के दो भारी कंक्रीट स्लैब नीचे गिर गए। मलबे में बस, कारें और ऑटो दब गए। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई।

शादी से एक दिन पहले युवक ने फांसी लगाई, खुशियां मातम में बदलीं

डीजे विवाद : दूल्हे के भाई ने की आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के बाराबंकी स्थित टिकैतनगर थाना क्षेत्र के पानापुर गांव में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां बड़े भाई की शादी से ठीक एक दिन पहले छोटे भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे घर की खुशियों को पल भर में मातम में बदल दिया और परिवार सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, परिवार में सोमवार को बड़े भाई की बारात जानी थी। घर में शादी की तैयारियां पूरी जोर-शोर से चल रही थीं और रिश्तेदारों का आना-जाना लगा हुआ था। इसी दौरान मृतक युवक घर में डीजे बजा रहा था। बताया जा रहा है कि डीजे पर गाना बदलने को लेकर परिवार के कुछ सदस्यों से उसकी हल्की कहासुनी

हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टिकैतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

परिवार में छाया मातम, शादी के कार्यक्रम स्थगित

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के पिता ने बताया कि छोटा बेटा कल तक शादी की तैयारियों में खुशी से शामिल था और डीजे भी बजा रहा था। अचानक ऐसा क्या हुआ कि उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया, यह समझ से परे है। इस दर्दनाक घटना के बाद शादी के सभी कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से रोक दिए गए हैं। वहीं, बारात वाले दिन घर में शव पहुंचने की आशंका से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

गुस्से में उठाया आत्मघाती कदम

परिजनों के अनुसार, मामूली कहासुनी युवक को इतनी नागवार गुजरी कि उसने गुस्से में आकर फांसी लगा ली। जब परिजनों ने उसे देखा तो तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही टिकैतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

ऑटो पलटने से मजदूर की मौत

मजदूरी करके लौट रहा था घर, गांव पहुंचते ही हादसा हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के हसनगंज थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ऑटो पलटने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा मुस्तफाबाद खड़हरा गांव के बाहर हुआ। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सुरेश पुत्र स्वर्गीय राम भरोसे के रूप में हुई है, जो मुस्तफाबाद खड़हरा का निवासी था। सुरेश मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके दो छोटे बेटे हैं। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है और बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, सुरेश रोज की तरह मजदूरी का काम खत्म कर अपने घर लौट रहा था। गांव के बाहर पहुंचते ही तेज रफ्तार ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

हादसा इतना भीषण था कि

सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे ऑटो से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने पर हसनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ऑटो चालक और वाहन की स्थिति के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

कार्यवाई : तड़के 4 बजे बुलडोजर लेकर पहुंची टीम, मुलायम सरकार में पट्टा दिया था

सीतापुर में 21 साल पुराना सपा ऑफिस ढहाया

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में सरकारी जमीन पर बने सपा कार्यालय को सोमवार तड़के बुलडोजर से ढहा दिया। जिला प्रशासन सुबह 4 बजे 5 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचा। 4 बुलडोजरों ने 2 घंटे में कार्यालय को जमींदोज कर दिया। मलबा भी हटा दिया गया। इस दौरान 25 पुलिसकर्मी और 50 पीएसी जवान तैनात रहे। सपा कार्यालय 21 साल पहले 2500 स्क्वायर फीट जमीन पर बनाया गया था। सरकारी नजूल की जमीन पर सपा कार्यालय के नाम पट्टा दिया गया था। हालांकि, 4 महीने बाद ही पट्टा निरस्त कर दिया गया। उस वक्त मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। पट्टा निरस्त होने के बाद भी यहां सपा कार्यालय चलता रहा। 15 दिन पहले जिलाधिकारी कोर्ट ने सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव को नोटिस भेजा था। उन्हें रविवार तक कार्यालय खाली करने का समय दिया गया था। बुलडोजर कार्रवाई से 24 घंटे पहले सपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय खाली करा दिया था। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी (ईओ) सीमा सिंह ने बताया, '15 जनवरी, 2005 को तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल ने टाउन हॉल परिसर की नजूल भूमि सपा के जिला कार्यालय के लिए आवंटित की थी। इसके लिए किराया सिर्फ 100 रुपए तय किया गया था।' उन्होंने बताया, '2500 स्क्वायर फीट जमीन पर एक हॉल और दो कमरे बनवाए गए थे। हालांकि, कुछ ही महीनों बाद आवंटन विवादों में आ गया। जांच के दौरान आवंटन प्रक्रिया में नियमों और कानूनी प्रावधानों के पालन में अनियमितताएं सामने आईं। नगर पालिका परिषद ने 14 अप्रैल, 2005 को आवंटन निरस्त कर दिया था।' सीतापुर के भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून अपना काम करता है।

ईओ ने बताया, '8 जून 2025 को जिलाधिकारी कोर्ट ने सपा कार्यालय को नोटिस जारी कर जमीन खाली करने का आदेश दिया था। इसके बाद अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई। नोटिस की अवधि पूरी होते ही बुलडोजर कार्रवाई की गई।' कार्रवाई के दौरान सदर एसडीएम डॉ. जर्नादन कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

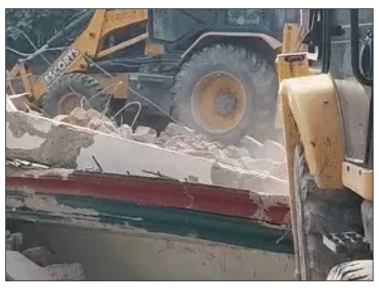

सपा सांसद बोले- बीजेपी को इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा

धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा- कार्यालय के मामले में कानूनी रूप से हमारा पक्ष कमजोर था, लेकिन जिस तरह से सुबह-सुबह बुलडोजर लगाकर भाजपा ने कार्यालय को गिराया, उसे समाजवादी कभी नहीं भूलेंगे। जनता जरूर भाजपा का गुरूर तोड़ेगी।

सपा सांसद आनंद भदौरिया ने खंभे पर चढ़कर हटाए पोस्टर

अखिलेश यादव के खिलाफ लगे पोस्टर

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर जनपद के सीतापुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ लगाए गए पोस्टरों और बैनरों को लेकर सोमवार को राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया। शहर की सीमा के बाहर अज्ञात लोगों द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों में समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां लिखी गई थीं। रोध के दौरान धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया स्वयं एक खंभे पर चढ़कर बैनर हटाते नजर आए। बताया जा रहा है कि उन्होंने क्रेन की मदद से ऊंचाई पर लगे बैनर फाड़ दिए। इस दौरान उनके साथ मौजूद सपा छात्रसभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी

विभिन्न स्थानों पर लगे पोस्टरों को हटाया। इस मामले में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि धूमिल करने की सुनियोजित कोशिश है।

पोस्टरों पर "लाल टोपी, साइकिल निशान, यादववाद इनकी पहचान" जैसे विवादित नारे लिखे होने की बात सामने आई है। इन संदेशों को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी फैल गई। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सम्पादकीय

स्वदेशी सैन्य शक्ति

प्रधानमंत्री ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर जिन तीन नौसैनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय का शुभारंभ किया, उनकी विशेषता यह है कि वे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित हैं। निःसंदेह यह एक उपलब्धि है और इस बात को रेखांकित करती है कि भारत को रक्षा क्षेत्र में अब केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपनी आवश्यकता की अधिकाधिक रक्षा सामग्री का उत्पादन देश में ही करना होगा। यह इसलिए आवश्यक है कि वर्तमान में किसी भी देश की सैन्य शक्ति का आकलन केवल इससे नहीं किया जाता कि उसके पास कैसे और कितने हथियार हैं, बल्कि इससे अधिक किया जाता है कि वह अपने स्तर पर रक्षा सामग्री का कितना अधिक निर्माण करता है?

यदि भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो उसके दायरे में रक्षा सामग्री अनिवार्य रूप से आनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि भारत अभी भी रक्षा सामग्री के एक प्रमुख आयातक देश के रूप में जाना जाता है। अच्छी बात यह है कि धीरे-धीरे इस स्थिति में परिवर्तन हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय नौसेना में शामिल की गई हैं। एक समय ऐसा था जब भारत अपनी हर छोटी-बड़ी रक्षा सामग्री का आयात करता था। इससे रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती थीं। यह उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग एक दशक में रक्षा सामग्री के स्वदेश में निर्माण को बल मिला है। इसके चलते देश में रक्षा उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। जहां 2014 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन 40 हजार करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह रक्षा सामग्री के मामले में आत्मनिर्भरता को रेखांकित तो करता है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना शेष है। कुछ समय पहले तक भारत में ज्यादातर रक्षा सामग्री का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में होता था। इसके चलते रक्षा सामग्री के उत्पादन की गति धीमी थी और उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण भी नहीं हो पाता था। यह अच्छा हुआ कि रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र का भी योगदान लेना शुरू किया गया। इसका परिणाम यह है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात भी बढ़ा है और वर्तमान में यह 38 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। अब भारतीय रक्षा उत्पाद विश्व के करीब 80 देशों में निर्यात किए जाते हैं। यह ठीक है कि 2029 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि देश में रक्षा सामग्री के उत्पादन की कई परियोजनाएं लंबित चल रही हैं। इनके कारणों की पहचान कर उनका प्राथमिकता के आधार निवारण किया जाना चाहिए।

अहिंसा, संयम और तप धर्म हैं

बुद्धिमान वह नहीं जो काम अधिक करता है, बुद्धिमान वह है जो ऊर्जा का सही उपयोग करता है। वह जहां ऊर्जा का सदुपयोग होता है, वहीं जीवन खिलता है। अहिंसा, संयम और तप को आचार के रूप में देख सकते हैं तथा विश्लेषित भी कर सकते हैं। अहिंसा भी आचार है, संयम भी आचार और तप भी आचार से ही जुड़ा हुआ है। इस भीड़ भरे नश्वर जगत में सब कुछ अस्थायी है। सुख-दुःख, हानि-लाभ, यश-अपयश, रिश्ते-नाते, तन-बदन, अच्छी बुरी भावनाओं से भरा मन सभी कुछ तो अस्थायी है । वह जो इस शाश्वत सत्य को स्वीकार कर लेता है वही प्रसन्न मन से जीवन बिताता है । क्षणभंगुरता को समझना जीवन की सच्चाई के गूढ़ अर्थ को समझना है। हम जब इस ध्रुव-सत्य को स्वीकार कर लेते हैं तब हम और प्रेम से जीने लगते हैं।मृत्यु को भी मित्र समझने लगते हैं। वास्तव में हर क्षण को अंतिम समझकर जीना ही जीवन का सही से आनंद रस पीना हैं । शास्त्र में धर्म को उत्कृष्ट मंगल कहा गया हैं । व्यक्ति को मंगल की चाह होती हैं कि वह जो कार्य करें वह निर्विघ्नता के साथ सम्पन्न हों, सफलता को प्राप्त हों । मंगल कामना स्वयं के लिए भी और दूसरों के लिए भी की जाती हैं । दूसरों के लिए मंगल कामना करना एक उच्चता का द्योतक होता हैं । आत्मविश्वास से जब मन भरा होता है तो रास्ते खुद-ब-खुद सफलता के मिलते रहते हैं। संदेह की भावना तो मन तोड़ देती है जबकि आत्मविश्वास की ऊर्जा टूटे दिल को भी जोड़ देती है। आत्मविश्वास में वह शक्ति हैं जो नियमों को सफलता की ओर मोड़ देती हैं । बस ! अंतर्मन से आत्मविश्वास के साथ जो व्यक्ति कहेगा मैं सक्षम हूं, मैं समर्थ हूं । किसी न किसी प्रकार काम बन जाएगा और चमत्कार शुरू हो जाएगा। तो आत्मविश्वास के साथ सदा हुंकार भरिए बात बनते देर नहीं लगेगी । क्योंकि किसी भी बात को लेकर चिंता में डूबे रहना तो समस्या को तूल देना है वह चिंता से बुद्धि मंद हो जाती है। समस्या का हल निकलने की बजाय और उलझती जाती है।शांतचित्त, जागृत दिमाग की कुशाग्र बुद्धि ही कोई हल दे सकती है। हम समझें कि हमसे यदि पूछा जाए हम BEST बनना चाहते हैं कि UNIQUE तो निश्चित ही हमारा चयन UNIQUE होगा क्योंकि BEST हमें श्रेष्ठ बनाएगा जबकि UNIQUE हमें सर्वश्रेष्ठ बनाएगा ।

› प्रदीप छाजेड़

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

> यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है? भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है।

ललित गर्ग

जहां तक भारत में ...

कमलेश पांडेय

संस्थागत रजिस्ट्रेशन और फंडिंग के दृष्टिगत सुलगते सवाल

किसी भी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या गैर-सरकारी संगठन (NGO) के संदर्भ में जब उसके रजिस्ट्रेशन, वित्तीय स्रोतों और धन के उपयोग को लेकर सवाल उठते हैं तो यह केवल कानूनी मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक विश्वास का प्रश्न बन जाता है। आखिर ये सवाल क्यों उठते हैं कि फलां-फलां संगठन की कानूनी स्थिति क्या है? क्या वह सोसायटी, ट्रस्ट, कंपनी या किसी अन्य स्वरूप में पंजीकृत है?

स्वाभाविक सवाल है कि यदि पंजीकृत नहीं है, तो उसकी गतिविधियां किस कानूनी ढांचे के अंतर्गत संचालित हो रही हैं? उसकी फंडिंग का स्रोत क्या है? धन आम जनता के दान से आता है या संस्थागत सहयोग से? क्या विदेशी स्रोतों से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है? क्या सभी वित्तीय स्रोत संबंधित कानूनों के अनुरूप घोषित किए गए हैं? उसके धन का उपयोग कैसे हो रहा है? संगठन को प्राप्त राशि का कितना हिस्सा घोषित उद्देश्यों पर खर्च होता है? क्या ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सार्वजनिक हैं?

जहां तक ऐसे संगठनों की पारदर्शिता और जवाबदेही की बात है तो अक्सर यह सवाल उठते हैं कि क्या संगठन नियमित रूप से अपनी आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करता है?

क्या उसके वित्तीय रिकॉर्ड स्वतंत्र जांच के लिए उपलब्ध हैं? आखिर उसके सामाजिक और राजनीतिक मायने क्या हैं? क्योंकि ऐसे संगठनों के समर्थकों का तर्क होता है कि ऐसे सवाल कई बार वैचारिक या राजनीतिक विरोध के कारण उठाए जाते हैं। जबकि आलोचकों का तर्क होता है कि सार्वजनिक प्रभाव रखने वाले किसी भी संगठन को वित्तीय और प्रशासनिक पारदर्शिता दिखानी चाहिए, वहीं, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण यह होता है कि जितना बड़ा संगठन और उसका प्रभाव होगा, उतनी ही अधिक सार्वजनिक जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक होगी।

जहां तक भारत में ऐसे संगठनों की स्थिति की बात है तो भारत में लाखों संस्थाएं विभिन्न रूपों में पंजीकृत हैं—ट्रस्ट, सोसायटी, सेक्शन-8 कंपनियां, धार्मिक संस्थान, ट्रेड यूनियन, राजनीतिक दल और अन्य संगठन। इनमें से अधिकांश को आयकर, ऑडिट, दान और विदेशी फंडिंग संबंधी नियमों का पालन करना पड़ता है। लिहाजा, जब किसी प्रभावशाली संस्था के रजिस्ट्रेशन या फंडिंग पर प्रश्न उठते हैं, तो अक्सर व्यापक बहस शुरू हो जाती है कि क्या सभी संस्थाओं के लिए समान पारदर्शिता मानक होने चाहिए।

हालांकि मूल प्रश्न यह है कि ऐसे विवाद किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है बल्कि असली प्रश्न यह है कि क्या भारत में सभी प्रभावशाली सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और वैचारिक संगठनों के लिए रजिस्ट्रेशन, आय-व्यय, दानदाताओं और ऑडिट रिपोर्ट की सार्वजनिक पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यही प्रश्न आज सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में है।

जानकार बताते हैं कि आरएसएस जैसे बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक, सांस्कृतिक और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs, ट्रस्ट, सोसाइटियां आदि) की व्यापक संख्या भारत में है। इनकी संख्या बहुत बड़ी है और इसका कोई एक सटीक आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। किसी भी अहम मुद्दे पर जब राष्ट्रीय आंकड़ा की बात होती है तो अनुपलब्ध बताया जाता है, यह कमतर दर्शाया जाता है। यह प्रशासनिक नीतिगत लापरवाही नहीं तो क्या है? रही बात गैर सरकारी संगठनों के पुष्ट आंकड़ों की तो जहां तक कुछ उपलब्ध आंकड़े हैं, वो इस प्रकार हैः- सिर्फ नीति आयोग के NGO-DARPAN पोर्टल पर लगभग 1.5 लाख से 1.9 लाख सक्रिय पंजीकृत NGO सूचीबद्ध हैं जबकि विभिन्न अवधियों में पंजीकृत संस्थाओं का आंकड़ा इससे कहीं अधिक बताया गया है। वहीं, कुछ डेटाबेस और सरकारी संकलनों में 3 लाख से अधिक पंजीकृत गैर-सरकारी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है।

प्रदेश की ...

बी0एल0 यादव

उत्तर प्रदेश कृषि, औद्यानिकी और फूड प्रोसेसिंग में बन रहा है

उत्तर प्रदेश ने कृषि, औद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज करते हुए देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। विशाल कृषि आधार, किसानों की मेहनत, राज्य सरकार की नीतियों और निवेश-अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश आज भारत के सबसे बड़े खाद्य प्रसंस्करण एवं औद्यानिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों वाला राज्य बन चुका है। राज्य में लगभग 3.5 लाख खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ संचालित हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। यह उपलब्धि प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों का सबसे बड़ा केंद्र बनाती है।

प्रदेश की सफलता का आधार इसकी मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था है। उत्तर प्रदेश देश में दूध, गन्ना, आलू और कई प्रमुख सब्जियों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। यही कारण है कि यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता बनी रहती है। राज्य की लगभग 14-15 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के कुल खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों में है, जो इसकी औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। औद्यानिकी क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश कुल औद्यानिकी उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य का कुल औद्यानिकी उत्पादन लगभग 536 लाख टन है, जो राष्ट्रीय उत्पादन का 14.19 प्रतिशत है। सब्जी उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 17.33 प्रतिशत है और इस क्षेत्र में भी राज्य देश में शीर्ष स्थान पर है।

प्रदेश आलू उत्पादन में 40.91 प्रतिशत राष्ट्रीय हिस्सेदारी के साथ देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। इसके अलावा आम उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी है और राष्ट्रीय उत्पादन में लगभग 19.48 प्रतिशत योगदान देता है। अमरूद, हरी मटर और फूलगोभी जैसी फसलों में भी प्रदेश का दबदबा कायम है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की बढ़ती संख्या किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा कर रही है। प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेहतर मूल्य मिल रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। राज्य में कुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों की उपलब्धता, बेहतर सड़क एवं लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तथा निवेश को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां इस विकास को और गति दे रही हैं। प्रदेश की कच्चे माल की उत्पादन क्षमता की तुलना में प्रसंस्करण क्षमता को और अधिक बढ़ाया जा रहा है। कृषि उत्पादों का अधिक मूल्य संवर्धन किये जाने के प्रयास किये जा रहे है, जिससे प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा खाद्य प्रसंस्करण राज्य बनेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकेगा।

उत्तर प्रदेश की यह सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह लाखों किसानों, उद्यमियों और श्रमिकों की मेहनत का परिणाम है। कृषि, औद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण के मजबूत समन्वय ने प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

जरा हटके

बागपत के रूपेन्द्र ने कृषि विविधीकरण से लिखा समृद्धि और ग्रामीण उद्यमिता का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश अपनी विशाल भौगोलिक संरचना और उपजाऊ भूमि, यहाँ की गंगा-यमुना की दोआब मिट्टी और प्रचुर जल संसाधन विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। राज्य में गेहूं, धान, गन्ना, आलू, आम और मकई जैसी फसलों का भारी मात्रा में उत्पादन होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य में कृषि-आधारित व्यवसायों के लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता और एक विशाल स्थानीय बाजार के चलते यहाँ खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज चेन, बीज प्रसंस्करण, जैविक खाद उत्पादन और पैकेजिंग उद्योगों का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। आलू से चिप्स बनाना, गन्ने से एथेनॉल और गुड़ का उत्पादन, तथा आम और अन्य फलों से पल्प एवं जूस तैयार करने जैसे उद्योग न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की अपनी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति भी उद्यमियों को पूंजीगत सब्सिडी, बिजली शुल्क में छूट और स्टाम्प ड्यूटी में रियायतें देकर राज्य में निवेश को आकर्षित कर रही है। इस नई नीति के तहत खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज और मूल्य संवर्धन इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए पात्र परियोजनाओं पर पैंतीस प्रतिशत से लेकर पचास प्रतिशत तक का पूंजीगत अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा पांच करोड़ से दस करोड़ रुपये तक निर्धारित की गई है। इसके साथ ही नए उद्योगों के लिए ऋण पर ब्याज सब्सिडी, सौर ऊर्जा सब्सिडी और उत्पादों के निर्यात के लिए माल-भाड़े में सुविधा प्रदान की जाती है। ग्रामीण युवाओं को कृषि-व्यवसाय शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत कम ब्याज दर पर ऋण और कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग दी जा रही है। इन सभी सरकारी प्रयासों, बुनियादी ढांचे में सुधार और कृषि विविधीकरण के कारण आज उत्तर प्रदेश न केवल फसलों के उत्पादन में, बल्कि कृषि-उत्पादों के मूल्य संवर्धन और व्यापार में भी देश का एक अग्रणी हब बनकर उभर रहा है। महिला एवं आरक्षित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को चालीस हजार रुपये प्रति सदस्य तक सीड कैपिटल यानी कार्यशील पूंजी के रूप में दी जाती है, जिससे ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। गन्ने के प्रमुख क्षेत्रों में गुड़ को एक जनपद एक उत्पाद में शामिल कर विशेष सहायता, मार्केटिंग और ब्रांडिंग सपोर्ट भी दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार गन्ने से खाद्य उत्पाद जैसे गुड़, सिरका, चीनी और शीरा बनाने के लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा गन्ना विकास विभाग के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसी कड़ी में गन्ना संस्थान किसान को गन्ने से जुड़े वैज्ञानिक उत्पादों, शर्करा गुणवत्ता नियंत्रण और सह-उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण देता है। युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के योग्य बनाने के लिए विभिन्न नेटवर्कों के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। सरकारी योजनाओं और नीतियों के इस सकारात्मक प्रभाव को जमीन पर उतारने का एक बेहतरीन उदाहरण बागपत के ग्राम फैजपुर निनाना में देखने को मिलता है। यहाँ के युवा कृषक उद्यमी रूपेंद्र धनकड़ ने पारंपरिक गन्ने की खेती को एक नई पहचान दे दी है। गन्ने का रस, जो बागपत में कभी गर्मी में ठेले पर मिलने वाला एक साधारण पेय माना जाता था, आज उनके प्रयासों से एक स्थापित ब्रांड बन चुका है। रूपेंद्र ने यह साबित कर दिया है कि खेती अब सिर्फ जीवनयापन का साधन नहीं, बल्कि एक बड़ा उद्यम बन सकती है। उनके इस छोटे से प्रोसेसिंग यूनिट की ओर जब लोग बढ़ते हैं, तो वहां गन्ने के रस की खुशबू और नए उत्पादों की तैयारी का माहौल दिखाई देता है। यह एक ऐसे किसान की कहानी है जिन्होंने कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों में नवीन सम्भावनाओं को विस्तार देकर न केवल नए उद्यम की स्थापना की, बल्कि उद्यम में नए बदलावों की सोच को भी साकार कर दिया। रूपेंद्र धनकड़ भी पहले सामान्य किसानों की तरह ही पारंपरिक तरीके से गन्ने की खेती करते थे। खेत में दिन-रात मेहनत करना, फसल तैयार करना और फिर उसे मंडी में जाकर बेच देना ही उनकी दिनचर्या थी। इस पूरी प्रक्रिया में उनकी आमदनी बेहद सीमित थी और लागत निकालना भी कभी-कभी भारी पड़ता था। उनके मन में हमेशा यह कसक रहती थी कि कुछ ऐसा नया किया जाए जो उन्हें और उनके उत्पाद को एक अलग पहचान दे।

बदलाव की शुरुआत तब हुई जब वे जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और किसान मेलों से जुड़े। इन कार्यक्रमों में उन्हें पहली बार यह समझ आया कि खेती को सिर्फ उत्पादन तक सीमित रखना फायदे का सौदा नहीं है। असली लाभ तब मिलता है जब किसान अपने उत्पाद का मूल्य संवर्धन करके उसे सीधे बाजार में उतारे। विशेषज्ञों ने उन्हें फूड प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के गुर सिखाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने 'वेदांशी प्राकृतिक उत्पाद' के नाम से अपना खुद का ब्रांड शुरू किया। इस ब्रांड के तहत उन्होंने गन्ने के रस से कई अनोखे उत्पाद तैयार किए, जिनमें केमिकल-फ्री आइसक्रीम और कुल्फी, चौदह मसालों से बनी गन्ना इमली चटनी, गन्ने के पेड़े, हर्बल चाय, गन्ने के रस की कोल्ड कॉफी और मटके की पारंपरिक विधि से बना सिरका शामिल हैं। इन सभी उत्पादों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये पूरी तरह प्राकृतिक हैं और इनमें किसी भी प्रकार का रासायनिक पदार्थ नहीं मिलाया जाता। आज के दौर में जब लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं, उनके इन उत्पादों को बाजार में हाथों-हाथ लिया जा रहा है।

उनके इस संघर्ष में जिला प्रशासन और कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। प्रशासन द्वारा आयोजित मेलों, प्रदर्शनियों और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में रूपेंद्र को अपने उत्पादों का स्टॉल लगाने के लिए मुफ्त मंच उपलब्ध कराया गया। बिना किसी बड़े निवेश के उन्हें सीधे ग्राहकों से जुड़ने और उनकी प्रतिक्रिया जानने का अवसर मिला। कृषि विज्ञान केंद्र से प्राप्त प्रशिक्षण ने उनके काम को और मजबूती दी, जहां उन्होंने उत्पाद बनाने की आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन करने के तौर-तरीके सीखे। आज उनके उत्पाद मेरठ मंडल के कई जिलों में धूम मचा रहे हैं।

इस नवाचार का सबसे बड़ा असर रूपेंद्र की समृद्ध हुई आर्थिक स्थिति में साफ दिखाई देता है। जहां पहले गन्ने की पारंपरिक खेती से सीमित और अनिश्चित कमाई होती थी, वहीं अब फूड प्रोसेसिंग और मूल्य संवर्धन के जरिए उनकी मासिक शुद्ध आय लगभग साठ से सत्तर हजार रुपये तक पहुंच गई है। यह आय किसी एक फसल के सीजन पर निर्भर नहीं है, बल्कि विभिन्न उत्पादों की नियमित बिक्री से साल भर बनी रहती है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक स्थिरता मिली है। वे अब बाजार के उतार-चढ़ाव और बिचौलियों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं।

रूपेंद्र धनकड़ की सफलता का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि उन्होंने इस समृद्धि को केवल अपने तक सीमित नहीं रखा।

16 साल के लड़के ने भाई-भाभी, भतीजे की हत्या की

वारदात

रोते हुए पुलिस से बोला- 2 दिन से खाना नहीं दिया था, जेल में खाना तो मिलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में 16 साल के लड़के ने बड़े भाई, भाभी और 3 साल के भतीजे की सोते वक्त हत्या कर दी। 9 साल की भतीजी ने उसे हत्या करते देख लिया और चिल्लाते हुए कमरे से बाहर भागी। चीख सुनकर माता-पिता की नींद खुल गई। पिता बड़े बेटे के कमरे में गए, जहां तीनों की लाश पड़ी हुई थीं। छोटा बेटा खून से सना गड़ासा लेकर कमरे से बाहर निकल रहा था। यह देखकर बीमार पिता कांप गए। आरोपी ऊपर वाली मंजिल पर जाकर चुपचाप बैठ गया। थोड़ी देर बाद पिता ने खुद को संभाला। पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। एसएसपी और एसपी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पहले लाशें देखीं। पिता ने उन्हें बताया कि छोटे बेटे ने ही हत्या की है। वह ऊपर वाले कमरे में बैठा है। पुलिस ऊपरी मंजिल पर गई तो आरोपी गड़ासा हाथ में लेकर फर्श पर बैठा मिला। कमरा खुला था। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। हत्या की वजह पूछने पर वह रोने लगा। बोला- भाभी ने दो दिन से खाना नहीं दिया था, इसलिए हत्या कर दी। उसने पुलिसकर्मियों से पूछा कि जेल में तो खाना मिलेगा? जिनकी हत्या हुई, उनमें अमित गुप्ता (35), उनकी पत्नी रंजना (32) और बेटा रेयांश शामिल हैं। वारदात सोमवार तड़के 3 बजे जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर बांसगांव थाना क्षेत्र में हुई।

रंजना गुप्ता
पत्नी
रेयांश
बेटा
अमित गुप्ता
पति

तड़के 3 बजे कमरे में घुसा और ताबड़तोड़ वार किए

अमित, पत्नी रंजना, दो बच्चों- 9 साल की बेटी और 3 साल के बेटे रेयांश के साथ सोया था। रात 3 बजे आरोपी भाई उसके कमरे में घुसा। उस वक्त सब गहरी नींद में थे। कमरे में घुसते ही उसने अचानक गड़ासे से बेड पर सो रहे बड़े भाई, भाभी और बेटे पर ताबड़तोड़ वार किए। किसी को बचने का मौका ही नहीं मिला। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

एसपी दिनेश पुरी ने बताया- आरोपी कुंठा में रहता था। उसे ढंग से खाना-कपड़ा नहीं मिलता था। वह पढ़ना चाहता था, लेकिन पढ़ने नहीं दिया गया। वह परिवार से लगातार कहता था कि उसके साथ गलत हो रहा है। पिछले दो दिन से उसे खाना नहीं मिला था। वह तनाव में था और इसी तनाव में उसने वारदात को अंजाम दिया।

- बलुआ गांव में इसी कमरे में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या की गई।
- जिस घर में तीन हत्या हुई, वहां लोगों की भीड़ लग गई। घर के बाहर बदहवास बैठे पिता।
- वारदात की जानकारी पर बड़ी संख्या में आसपास के लोग पहुंच गए।

खून से लथपथ बेटे को देखकर पिता डर गए

पिता हरीलाल जब कमरे में पहुंचे तो चारों तरफ खून बिखरा था। आरोपी छोटा बेटा गड़ासा हाथ में लेकर कमरे से निकल रहा था। बेटे को देखकर पिता डर गए। उन्होंने उससे कुछ नहीं कहा। बेटा वारदात के बाद सीधे ऊपर अपने कमरे में चला गया। पुलिस ने उसे कमरे से ही हिरासत में लिया। पुलिस को पता चला है कि गुप्ता परिवार की एक किराने की दुकान है। इस दुकान में छोटा बेटा बैठता था। बड़ा भाई बाहर रहकर नौकरी करता था। कुछ महीने पहले ही वह गांव वापस आ गया था। इसके बाद से छोटे भाई को लगता था कि दुकान पर बड़ा भाई कब्जा कर लेगा। इसे लेकर आए दिन घर में विवाद होने लगा था। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, बलुआ गांव में हरीलाल (58) का 2000 वर्ग फीट का दो मंजिला मकान है। घर में उनके भाई का परिवार भी रहता है। उनकी छोटी सी बढ़ई की दुकान है। हरीलाल पत्नी के साथ नीचे की मंजिल पर रहते हैं। इसी मंजिल पर अमित और उनकी पत्नी भी रहते थे। ऊपर के कमरे में छोटा भाई रहता था।

तस्वीर में अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना और बेटा रेयांश है। इन तीनों की हत्या हो गई।

छोटे बेटे ने पिता से लड़ाई की थी, थाने में समझौता हुआ था

अमित गुप्ता के पिता हरीलाल ने तहरीर दी है। हरीलाल ने बताया कि घर से थोड़ी दूर कस्बे में दुकान थी। बड़ा बेटा अमित बाहर काम करता था। दो साल से वह आकर वह दुकान पर बैठने लगा। इससे छोटा बेटा नाराज रहने लगा। इसके चलते उसने बेटे और उसकी पत्नी और बेटे को मार दिया। उसने पहले तीनों के सिर पर डंडे से वार किया, इसके बाद बांका-गड़ासे से गर्दन काट दी।

फास्ट न्यूज

नोएडा में युवती ने सड़क पर नशे में हंगामा किया

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के बिसरख कोतवाली क्षेत्र में एक युवती द्वारा शराब के नशे में हंगामा करने का मामला सामने आया है। घटना 1 जून 2026 की है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेनो वेस्ट स्थित आम्रपाली रिवर व्यू सोसायटी में रहने वाली 32 साल की युवती ने 1 जून को शराब पीने के बाद सड़क पर हंगामा किया।

सभासद का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

सीतापुर। सीतापुर जिले के लहरपुर नगर पालिका परिषद के मुख्य गेट पर सोमवार दोपहर वार्ड सभासद आफताब अहमद ने अपनी 20 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सभासद ने नगर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए कहा कि जब तक संबंधित अधिकारियों द्वारा उनकी मांगों पर लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने पर बैठे सभासद आफताब अहमद ने आरोप लगाया कि नगर के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से विकास कार्य प्रभावित हैं, जिससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

तालाब-कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध खनन का आरोप

बुलंदशहर। बुलंदशहर के शिकारपुर में तालाब और कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध खनन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने जिलाधिकारी से शिकायत कर नगर पालिका प्रशासन पर तालाब के सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़े पैमाने पर मिट्टी निकालकर बेचने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने मामले की जांच के लिए टीम गठित कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हरदोई में पूर्व सैनिकों ने सीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा

शस्त्र लाइसेंस, आरक्षण और राजस्व मामलों के जल्द से जल्द निपटारे की मांग की

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में पूर्व सैनिक वेल्फेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को पूर्व सैनिकों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। संगठन के जिलाध्यक्ष कैप्टन अशोक कुमार अग्निहोत्री के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक कलेक्ट्रेट पहुंचे। ज्ञापन सौंपते हुए कैप्टन अशोक कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि पूर्व सैनिकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामले लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन उनके निस्तारण के लिए अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर पूर्व सैनिकों के हितों की बात की जाती है, लेकिन जमीनी

स्तर पर स्थिति भिन्न है, जिससे पूर्व सैनिकों में निराशा बढ़ रही है। ज्ञापन में बताया गया कि बड़ी संख्या में ऐसे पूर्व सैनिक हैं जिनके शस्त्र लाइसेंस को एनडीएएल (NDAL) कोड मिल चुका है, लेकिन एनओसी जारी न होने के कारण उनके लाइसेंस न तो जिले के अभिलेखों में दर्ज हो पा रहे हैं और न ही उनका नवीनीकरण हो पा रहा है। इससे पूर्व सैनिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने राजस्व और पुलिस से संबंधित मामलों का भी उल्लेख किया। उनका कहना है कि पूर्व सैनिकों से जुड़े कई राजस्व प्रकरण लंबित पड़े हैं और उनके समाधान में तेजी नहीं दिखाई जा रही है। साथ ही, पुलिस द्वारा राजस्व मामलों में हस्तक्षेप किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई। इसके अतिरिक्त, संगठन ने नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों द्वारा आवंटित की जाने वाली दुकानों में युद्ध विधवाओं और पूर्व सैनिकों को आरक्षण का लाभ दिए जाने की मांग की। उनका तर्क है कि इससे पूर्व सैनिक परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा।

सदर एसडीएम ने इस मांग को स्वीकार करते हुए शनिवार को पूर्व सैनिकों की समस्याओं की सुनवाई के लिए निर्धारित करने का आश्वासन दिया।

कानपुर पुलिस ने एमपी से पकड़ा, कोर्ट ने कहा-अरेस्ट करने वाले की जांच हो

अदिति पर टिप्पणी मामले में पहली गिरफ्तारी, जेल नहीं गया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर क्राइम ब्रांच ने यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में एक आरोपी को अरेस्ट कर लिया। यह इस केस में पहली गिरफ्तारी है। पुलिस ने आरोपी को मध्य प्रदेश के रीवा से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने रिमांड खारिज कर दी। आरोपी को रिहा कर दिया। इसके साथ ही आरोपी को अरेस्ट करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश भी दिया है। उधर गिरफ्तारी के बाद आरोपी नागेश्वर सिंह बघेल ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी है।

डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया- सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले में कानपुर साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। सात साल से कम सजा वाली धाराओं में आरोपी की अरेस्टिंग होने के चलते कोर्ट ने रिमांड खारिज कर दी है।

उसने बताया कि उसने एक पोस्ट को डाउनलोड कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। मुझे इसका पछतावा है। मैं अखिलेश यादव के परिवार से माफी मांगता हूं। दरअसल, कानपुर में अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण यादव ने 11 जून को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि सोशल मीडिया पर भरत कुमार पटेल, नागेश्वर सिंह बाघेल और विनोद यादव नाम की आईडी से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बेटी अदिति के खिलाफ भ्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट किए गए। मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के बाद साइबर थाने ने जांच शुरू कर दी। पुलिस की जांच मध्य प्रदेश तक पहुंच गई। पुलिस की जांच में सामने आया कि नागेश्वर सिंह बघेल ने ही अपनी फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर अदिति के खिलाफ छवि धूमिल करने के इरादे से भ्रामक पोस्ट किया था। इसी कड़ी में साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव की टीम मध्यप्रदेश के रीवा पहुंची। थाना पनवार के पुरवा कल्याणपुर के रहने वाले नागेश्वर सिंह बघेल को अरेस्ट कर लिया। पुलिस ने आरोपी को रविवार को कोर्ट में पेश किया तो कोर्ट ने जमानतीय धाराओं यानी सात साल से कम सजा वाली धाराएं होने के चलते रिमांड खारिज कर दी और आरोपी को कोर्ट से छोड़ दिया गया। इसके साथ ही आरोपी को जमानतीय धाराएं होने के बाद भी जेल भेजने के लिए कोर्ट में पेश करने वाली पुलिस के खिलाफ जांच का आदेश दिया है।

बस्ती में कार क्षतिग्रस्त, यूनिपोल गिरने से सड़क जाम, मानसून बॉर्डर पर अटका

यूपी के 6 शहरों में आंधी-बारिश, पेड़-पोल उखड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। भीषण गर्मी के बीच सोमवार दोपहर को अचानक मौसम बदल गया। गोरखपुर, बस्ती, मऊ, गाजीपुर और बलिया में झमाझम बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ उखड़कर कार पर गिरा। उसका पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर यूनिपोल गिरने से भारी ट्रैफिक जाम लग गया। गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में आंधी के साथ बारिश हुई। गाजीपुर में सुबह से कई बार तेज हवा के साथ रुक-रुक कर बारिश हुई। बलिया में भारी बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया। मऊ में भी 10 मिनट तक

हल्की बारिश हुई। लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। इसके अलावा, ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। गर्म हवाएं चल रही है। बादलों की आवाजाही की वजह से उमस बढ़ गई है। 38 जिलों में हीटवेव (लू) चल रही है। 5 जिलों मऊ, चंदौली, बलिया, गाजीपुर और सोनभद्र में बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग का कहना है कि आमतौर पर 20 जून तक मानसून यूपी में एंट्री कर लेता है। लेकिन, इस बार मानसून यूपी-बिहार बॉर्डर पर पहुंचने के बाद आगे नहीं बढ़ पा रहा है। पिछले 10-12 दिनों से यह महाराजगंज के पास रुका है। 23 जून से इसके आगे बढ़ने और 25 जून तक यूपी में पहुंचने की संभावना है। तब तक पूर्वी यूपी और बुंदेलखंड में गर्मी और लू परेशान करेगी। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा 42.6°C, प्रयागराज 42.5°C और वाराणसी 42.4°C तापमान के साथ यूपी में सबसे गर्म रहे।

यूपी में अगले 6 दिन कैसा रहेगा मौसम?

- **23 जून:** पूरे प्रदेश में गरज-चमक के साथ बारिश होगी। पूर्वी यूपी में हीटवेव परेशानी बढ़ाएगी।
- **24 जून:** पश्चिमी यूपी में बारिश की संभावना है। पूर्वी यूपी में लू चलेगी।
- **25 जून:** पूरे प्रदेश में आसमान साफ रहेगा। गर्मी बढ़ेगी। लू चलेगी।
- **26 जून:** पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। तापमान में बढ़ोतरी होगी।
- **27 जून:** पश्चिमी यूपी में गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। पूर्वी यूपी में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी।
- **28 जून:** पश्चिमी यूपी में मौसम साफ रहेगा। पूर्वी यूपी में बारिश के आसार हैं।

महिला रेसलर ने थाने में खुद को लगाई आग

हालत गंभीर, बिजनौर में फौजी पर रेप की एपकराई थी, पुलिस के एक्शन न लेने से भड़की

तमसा संकेत, एजेंसी

बिजनौर। बिजनौर के कोतवाली शहर थाने में रविवार रात एक महिला रेसलर ने इंस्पेक्टर के चैंबर में पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। घटना रात 10:45 बजे की है। आग लगते ही महिला रेसलर जान बचाने के लिए चिल्लाने लगी और इधर-उधर भागने लगी। इस दौरान चैंबर के पर्दों में भी आग लग गई, जिससे थाने में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत आग बुझाई और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक इलाज किया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे मेरठ रेफर कर दिया। फिलहाल,

महिला रेसलर की हालत नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक, वह 60 प्रतिशत तक झुलस चुकी है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला रेसलर का फौजी से प्रेम संबंध था। आरोप है कि फौजी ने शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया। इसके बाद महिला ने उसके खिलाफ रेप की FIR दर्ज कराई थी। हालांकि, आरोपी फौजी ने कोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे ले रखा है, जिस वजह से पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रही थी। इससे नाराज होकर उसने ऐसा कदम उठाया है। इस मामले में एसपी अभिषेक झा ने थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अमर सिंह राठौर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

कमा कर लाओ, बेटे ने पीटकर मार डाला : पिता

सोनभद्र में खाना खाते समय बेटे ने बरसाए डंडे, तड़पते हुए देखता रहा

- बेरोजगार बेटे ने पिता के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार करके उनकी हत्या कर दी।
- पिता को खून से लथपथ करने के बाद तड़पता देखता रहा, लेकिन अस्पताल नहीं पहुंचाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र में बेटे ने अपने पिता की डंडे से पीट-पीट<None>कर हत्या कर दी। बात बस इतनी सी थी कि पिता ने खाना खाते समय बेरोजगार बेटे को नौकरी नहीं करने का ताना मार दिया था। पिता ने कहा- केवल घर पर बैठकर

श्रीनाथ
मृतक पिता
सोनू लाल
हत्यारोपी बेटा

खाने से नहीं चलेगा, कुछ काम-धंधा भी करना होगा। इसी बात पर बाप-बेटे के बीच झगड़ा शुरू हो गया। पिता ने बेटे को 3-4 थप्पड़ मार दिए। इसके बाद आगबबूला बेटे ने डंडा उठाकर पिता के सिर पर ताबड़तोड़ 5-6 वार कर दिए।

पिता उसकी आंखों के सामने खून से लथपथ पड़ा तड़पता रहा, लेकिन अस्पताल ले जाने की बजाय बेटा सामने बैठकर देखता रहा। मां की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी पहुंचे, लेकिन तब तक पिता की मौत हो चुकी थी। ,चना पर पहुंची पुलिस ने बेटे को हिरासत में लेकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घटना जिला मुख्यालय से 85 किलोमीटर दूर विंढमगंज थाना क्षेत्र की है पकरी गांव में रहने वाले श्रीनाथ (52) पत्नी चंद्रावती और बेटे सोनू लाल (24) के साथ रहते थे। वह खेती-बाड़ी करते थे। श्रीनाथ का दूसरा बेटा मनु मजदूरी के सिलसिले में दूसरे प्रदेश में काम करता है। उसकी पत्नी मायके में है। पत्नी चंद्रावती ने बताया- रविवार रात करीब 9 बजे श्रीनाथ बेटे सोनू लाल के साथ घर में खाना खाने की तैयारी कर रहे थे।

नोकझोंक : वीडियो बनाकर कहा- अकेली आई तो क्या रिपोर्ट नहीं लिखोगे, इंस्पेक्टर ने कहा- इससे क्या मैं डर जाऊंगा

एफआईआर न दर्ज होने पर थाने में छात्रा का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज न करने से नाराज छात्रा ने थाने में जमकर हंगाामा किया। उसने थाने में ही वीडियो बनाया। जिसमें वह यह कहते सुनाई पड़ रही है कि अकेली आई हूं तो क्या रिपोर्ट नहीं दर्ज करोगे। इस दौरान उसकी थाने के इंस्पेक्टर से जमकर नोकझोंक भी हुई। इंस्पेक्टर ने कहा- वीडियो बनाओगी तो मैं डर जाऊंगा क्या? फिलहाल हंगामे के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामला शादी का झांसा देकर शोषण करने का है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली 24 साल की युवती नीट एस्पिरेंट है। उसका आरोप है कि राजापुर, कैंट के रहने वाले युवक सौरभ यादव ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया और बाद में

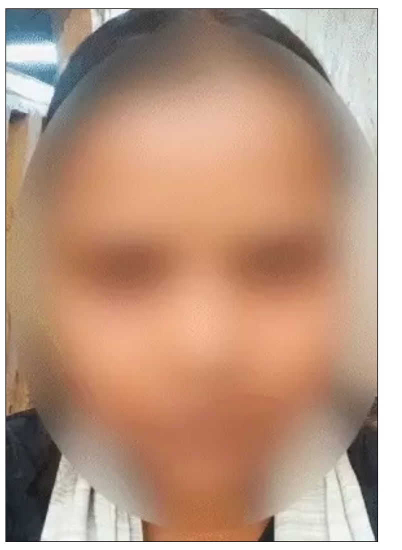

मुकर गया। इसकी शिकायत वह चार दिन पहले कैंट थाने लेकर गई तो उसे राजापुर चौकी भेज दिया गया। वहां दो दिन तक टालमटोल करने के बाद फिर थाने जाने को कहा गया।

थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने कहा कि युवती की शिकायत प्राप्त हुई थी और उसकी जांच की जा रही थी। उनके अनुसार, युवती थाने पहुंचकर वीडियो बनाने लगी थी, जिस पर उसे शांत रहने के लिए कहा गया।

उन्होंने दुर्व्यवहार और अपमानजनक टिप्पणी किए जाने के आरोपों से इनकार किया है।

इंस्पेक्टर बोले- वीडियो बनाओगी तो मैं डर जाऊंगा क्या?

इस पूरी घटना का वीडियो युवती ने खुद अपने इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट किया है। इसमें कैंट थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अमरनाथ राय और युवती के बीच नोकझोंक होते दिखाई दे रही है। इंस्पेक्टर वीडियो बनाने पर युवती पर नाराज होते नजर आते हैं। युवती यह कहती सुनाई पड़ती है कि कार्रवाई नहीं करोगे तो वीडियो बनाऊंगी ही। साथ ही इसे लेकर पुलिस कमिश्नर को भी दिखाऊंगी। इस दौरान इंस्पेक्टर यह भी कहते दिखाई देते हैं कि वीडियो बनाओगी तो मैं डर जाऊंगा क्या?

आखिरकार दर्ज हुई एफआईआर

थाने में करीब आधे घंटे तक हंगामा होने के बाद आखिरकार पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर FIR दर्ज की। साथ ही आरोपी की तलाश में एक टीम उसके मूल निवास जनपद महोबा भी दबिश के लिए रवाना हो गई। आरोपी सौरभ यादव प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है।

राजापुर में किराए के मकान में रहता है। युवती का उससे संपर्क हुआ और वह उसके कमरे पर आने जाने लगी।

करीब दो साल से दोनों एक-दूसरे के संपर्क में थे। इसके बाद वह थाने में ही वीडियो बनाने लगी। इस पर इंस्पेक्टर ने उसे खरीखोटी सुनाई। साथ ही वहां मौजूद महिला पुलिसकर्मियों से मोबाइल छीनने को भी कहा। इस दौरान उसकी इंस्पेक्टर से जमकर नोकझोंक हुई। साथ ही इसे लेकर पुलिस कमिश्नर को भी दिखाऊंगी। इस दौरान इंस्पेक्टर यह भी कहते दिखाई देते हैं।

पार्टी के बहाने बुलाया, शराब पिलाई और मार डाला, पत्नी से अवैध संबंध में दोस्त बना कातिल

बेटे के बर्थडे की रात पिता की हत्या

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुज़फ्फरनगर में एक युवक की उसके दोस्त ने गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के मृतक की पत्नी से अवैध संबंध थे। इसी वजह से उसने अपने दोस्त को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 20 जून को मृतक के बेटे का जन्मदिन था। आरोपी रात में पार्टी के बहाने उसे घर से बुलाकर जंगल ले गया। वहां दोनों ने शराब पी। इसके बाद आरोपी ने गमछे से उसका गला घोंट दिया और शव नाले में फेंककर फरार हो गया। रविवार सुबह ग्रामीणों ने नाले में शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने 24 घंटे के भीतर मुठभेड़ के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी। मामला शाहपुर थाना क्षेत्र का है। शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहजुड्डी गांव निवासी रोहित प्राइवेट काम करता था। परिवार में पिता, पत्नी और दो साल का बेटा है। 20 जून को उसके बेटे का जन्मदिन था। शाम को घर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। रोहित के पिता मेहर सिंह ने बताया कि रात में उसके दोस्त राहुल का फोन आया। उसने जन्मदिन की पार्टी मांगी। रोहित ने उसे घर आने के लिए कहा, लेकिन राहुल ने बाहर चलने की बात कही। इसके बाद रात करीब 11 बजे रोहित घर से निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला।

- रोहित का शव नाले में मुंह के बल पड़ा मिला था।
- मुठभेड़ के बाद आरोपी को पुलिस ने जीप में बिठाया तो हाथ जोड़ने लगा।

नाले में मिला शव, परिजनों ने किया हंगामा

रविवार सुबह गोयला गांव के जंगल के पास स्थित नाले में लोगों ने शव देखा। सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। शव की पहचान रोहित के रूप में होने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा किया और जल्द खुलासे की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और रोहित की कॉल डिटेल खंगाली। इसी आधार पर राहुल की तलाश शुरू की गई।

मुठभेड़ में आरोपी को अरेस्ट किया तो खुला राज

रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी शाहपुर कस्बे में छिपा है। घेराबंदी के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके खिलाफ हत्या, अवैध हथियार रखने और पुलिस पर फायरिंग समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, रोहित झोलाछाप चिकित्सक था और पशुओं का इलाज करता था। उसके पास किसी मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं थी।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने रोहित को पार्टी के बहाने बुलाया था। पहले दोनों ने शराब पी, फिर उसने गमछे से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को गोयला गांव के जंगल के पास नाले में फेंक दिया, ताकि किसी को उस पर शक न हो। पुलिस के मुताबिक, राहुल के रोहित की पत्नी से अवैध संबंध थे। उसका लंबे समय से घर आना-जाना था। रोहित को इस संबंध की जानकारी होने लगी थी। इसी वजह से आरोपी ने उसकी हत्या की साजिश रची।

राम मंदिर का चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारी हटाए

सीसीटीवी बढ़ाए गए, धर्म सेना अध्यक्ष का मोदी को लेटर

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारियों को सोमवार को हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को ड्यूटी में लगाया गया है। हटाए गए कर्मचारियों को दूसरी जगह ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके अलावा, गणनास्थल पर 3 CCTV बढ़ाए गए हैं। अब CCTV की संख्या 4 हो गई है। इधर, धर्म सेना के अध्यक्ष संतोष दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है। चढ़ावा चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) आज CM योगी आदित्यनाथ को शुरुआती रिपोर्ट सौंप सकती है। टीम रविवार शाम को योगी से मिलने पहुंची थी, लेकिन उनके मानसून सेशन की मीटिंग में व्यस्त होने की वजह से मुलाकात नहीं सकी थी।

SIT ने जिन लोगों से पूछताछ की, उन्हें अगले आदेश तक अयोध्या से बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। इनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी शामिल हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि गोपाल राव अयोध्या छोड़कर कर्नाटक चले गए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि उन्होंने SIT को अयोध्या छोड़ने के बारे में बताया या नहीं। रिपोर्टर ने उनके नंबर पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। मैसेज भेजकर भी प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई।

फास्ट न्यूज

मेंहदावल-धनघटा मार्ग को फोरलेन बनाने का प्रस्ताव

संतकबीर नगर। संतकबीर नगर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रीय समस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए।

ई-रजिस्ट्रेशन के विरोध में वकीलों ने बजाई ताली-थाली

आगरा। ई-रजिस्ट्रेशन के विरोध में सदर तहसील के वकीलों का 7वें दिन भी धरना जारी रहा। सोमवार को ताली-थाली बजाकर वकीलों ने ई-रजिस्ट्रेशन का विरोध किया। वकीलों की हड़ताल से निबंधन विभाग में बैनामों का कामकाज लगभग ठप है। वकीलों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। सरकार ई-रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लागू करने जा रही है। इसको लेकर विभिन्न तहसीलों में विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। आगरा सदर तहसील के वकील भी पिछले 6 दिन से हड़ताल पर हैं।

मंत्री संजय निषाद के बेटे प्रवीण की तबीयत बिगड़ी

गोरखपुर। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद के पुत्र पूर्व सांसद ई. प्रवीण निषाद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के ICU में भर्ती कराया गया है। डा. संजय निषाद ने अपने फेसबुक वाल पर इस बात की सूचना दी है। उन्होंने मंगलवार से निषाद पार्टी के सभी कार्यक्रम अगले आदेश तक स्थगित कर दिए हैं।

यूपी में बिजली मांग का रिकॉर्ड टूटा

21 जून की रात 32,348 मेगावाट बिजली सप्लाई की, महाराष्ट्र को भी पीछे छोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बिजली की मांग ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। प्रदेश में रविवार, 21 जून की रात 10:47 बजे बिजली की अधिकतम मांग 32,348 मेगावाट तक पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है। इस रिकॉर्ड के साथ उत्तर प्रदेश ने देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ते हुए बिजली खपत के मामले में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। ऊर्जा विभाग के अनुसार, यह पहली बार है जब प्रदेश में बिजली की मांग इस स्तर पर पहुंची है और आपूर्ति व्यवस्था ने इसे सफलतापूर्वक संभाला। इससे पहले देश में सबसे अधिक बिजली मांग का रिकॉर्ड महाराष्ट्र के नाम था। महाराष्ट्र में 13 मई को अधिकतम बिजली मांग 32,317 मेगावाट दर्ज की गई थी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश ने इस आंकड़े को पीछे छोड़ते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया है और देश में सबसे अधिक बिजली मांग पूरा करने वाला राज्य बन गया है। 21 जून को पूरे प्रदेश में कुल 67.7 करोड़ यूनिट बिजली की खपत दर्ज की गई। यह आंकड़ा भी देश के सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक बताया जा रहा है। गर्मी के मौसम में घरेलू उपयोग, कृषि कार्य और औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी को इस रिकॉर्ड खपत का मुख्य कारण माना जा रहा है। इतनी अधिक मांग के बावजूद बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना ऊर्जा विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती थी। हालांकि विभाग ने दावा किया है कि पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति बिना बड़े व्यवधान के जारी रही। बिजली आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी लगातार कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाती रही ताकि किसी भी क्षेत्र में लंबे समय तक कटौती न हो।

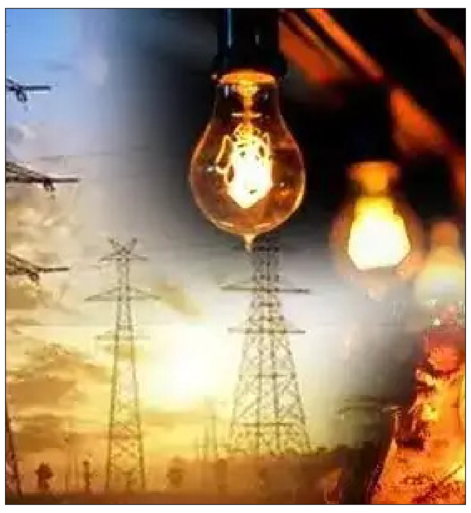

इस उपलब्धि पर एके शर्मा ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि बिजली कर्मियों की मेहनत और बेहतर प्रबंधन का परिणाम है, जिन्होंने बढ़ती मांग के बावजूद आपूर्ति को संतुलित बनाए रखा। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मी में तापमान बढ़ने, एयर कंडीशनर और कूलर के अधिक उपयोग, कृषि क्षेत्र में सिंचाई की जरूरत और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी के कारण बिजली की मांग में यह ऐतिहासिक उछाल आया है।

बुजुर्ग का मुंह काला किया, जूते की माला पहनाकर घुमाया

कासगंज में गांव वाले बोले- पैसे लेकर लड़के-लड़कियों को मिलाता था

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। यूपी के कासगंज में 70 साल के बुजुर्ग को जूते-चप्पलों की माला पहनाकर, मुंह काला करके घुमाया गया। कपड़े फाड़कर उन्हें अर्धनग्न कर दिया गया। उनके शरीर पर डंडे बरसाते हुए 30 सेकेंड में 30 बार उनका सिर पेड़ से टकराया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक परिवार के 6 से ज्यादा लोग बुजुर्ग की पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान गांव के 200 से ज्यादा लोग तमाशबीन बने दिख रहे हैं। घटना सोमवार सुबह जिला मुख्यालय से 28 किलोमीटर दूर सोरों थाना क्षेत्र की है। गांव वालों ने सूचना पर पहुंची पुलिस को बताया कि बुजुर्ग लड़के लड़कियों को मिलाते थे। इसके बाद उन्हें बदनाम करते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोप लगाने वाली महिला को थाने बुलाया गया है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सोरों थाना क्षेत्र के नगला पल्टू गांव के रहने वाले रामविलास (70) को सोमवार सुबह करीब 7 बजे गांव के गौरव, जयसिंह, राजेश समेत कई लोगों ने पीटना शुरू कर दिया। हमलावर उन्हें घर से घसीटते हुए बाहर ले आए। इसके बाद उनके चेहरे पर कालिख पोती दी। फिर गले में जूते-चप्पलों की माला डाल दी। आरोपियों ने रामविलास का सिर जोर-जोर से पेड़ से टकराया। महिलाओं ने भी रामविलास की डंडों से पिटाई की। इस दौरान कई लोगों ने उन्हें घूसे मारे। रामविलास खुद को निर्दोष बताते हुए अपना सिर पेड़ पर पटकने लगे। इसके बाद उन्हें अर्द्धनग्न कर पूरे गांव में घुमाया गया। करीब आधे घंटे तक उनके साथ मारपीट की गई। देखते ही देखते गांव के बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। पूछने पर हमलावरों ने रामविलास पर आरोप लगाया कि वे गांव के लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे के मोबाइल नंबर शेयर कराते थे।

ऊर्जा मंत्री के बयान पर आप का पलटवार

प्रवक्ता ने पूछा-बिजली संकट में ग्रामीण निरोगी रहेंगे या रोगी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के पदारथपुर अंचली गांव में पिछले छह दिनों से बिजली आपूर्ति ठप होने के विरोध में आम आदमी पार्टी (AAP) ने प्रदर्शन किया। पार्टी ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा और स्थानीय एक्सईएन पर तीखा हमला बोला है। यह घटना सदर विधानसभा जयसिंहपुर (189) के अंतर्गत ढेमा विद्युत उपकेंद्र से संबंधित है। AAP के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि जहां एक ओर प्रदेश की जनता भीषण गर्मी में बिजली कटौती से परेशान है, वहीं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा 'करो योग, रहो निरोग' का बयान दे रहे हैं। दुबे ने मंत्री से सवाल किया कि जयसिंहपुर के पदारथपुर अंचली गांव के लोग छह रातों से सो नहीं पाए हैं, ऐसे में वे निरोगी रहेंगे या रोगी। उन्होंने सरकार और मंत्रियों पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। वंशराज दुबे ने स्थानीय बिजली विभाग के अधिकारियों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ढेमा विद्युत उपकेंद्र कई गांवों को बिजली देता है, लेकिन पदारथपुर अंचली गांव के प्रति विभाग का रवैया उदासीन है। दुबे के अनुसार, एक्सईएन जयसिंहपुर की लापरवाही के कारण गांव अंधेरे में डूबा है, जिससे खेती-किसानी, बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी है।

दिनेश फलाहारी की ओर से लगाए आरोपों की जांच की मांग

श्री कृष्ण जन्मस्थान के सचिव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में चढ़ावे और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उठे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों की सक्षम प्राधिकारी से जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। दरअसल, श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष दिनेश शर्मा फलाहारी ने हाल ही में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में चढ़ावे, दान और आभूषणों में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। उन्होंने संस्थान के सचिव कपिल शर्मा पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मामले की CBI जांच कराने की मांग की थी। दफलाहारी ने आरोप लगाया था कि मंदिर में दान और चढ़ावे के प्रबंधन में पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने फूल बंगला और 56 भोग जैसी सेवाओं के नाम पर भारी कमीशन वसूले जाने का भी दावा किया था।

कपिल शर्मा बोले- आरोप पूरी तरह निराधार

मीडिया से बातचीत में कपिल शर्मा ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप मनगढ़ंत, तथ्यहीन और मिथ्या हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि वास्तविकता सामने आ सके। कपिल शर्मा ने कहा कि वे पिछले 27 वर्षों से श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान से जुड़े हुए हैं और इस दौरान उन्होंने कभी वेतन, मानदेय, यात्रा भत्ता या अन्य कोई सुविधा नहीं ली। उन्होंने दावा किया कि संस्थान से जुड़े कार्यों के लिए होने वाला खर्च भी वह अपनी निजी आय से वहन करते हैं।

कपिल शर्मा ने आरोप लगाया कि दिनेश शर्मा फलाहारी सरकारी सुरक्षा हासिल करने के उद्देश्य से विवादित बयान देते रहते हैं।

फलाहारी पर भी लगाए गंभीर आरोप

कपिल शर्मा ने दिनेश शर्मा फलाहारी पर भी कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि फलाहारी पूर्व में समाजवादी पार्टी से जुड़े रहे हैं और विधानसभा चुनाव लड़ने की कोशिश कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि फलाहारी के खिलाफ ठगी, चोरी और आपराधिक षड्यंत्र समेत कई मामले दर्ज हैं, जिनमें से कुछ में चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कपिल शर्मा ने आरोप लगाया कि दिनेश शर्मा फलाहारी सरकारी सुरक्षा हासिल करने के उद्देश्य से विवादित बयान देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऐसे बयान देकर सामाजिक माहौल प्रभावित करने का प्रयास किया गया था।

पृष्ठ 01 का शेष...

लखनऊ अग्निकांड ...

सीएम योगी घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाएंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ आ रहे हैं। सुखमणि चार साल से एनिमेशन कंपनी में जॉब कर रहा था, रो-रोकर परिजनों का बुरा हाल हादसे में मरने वाले सुखमणि के दोस्त यश ने बताया- 3D एनिमेशन का ऑफिस था, जिसमें लगभग 40 लोग काम करते थे। ऑफिस का मुख्य गेट थंब इंप्रेशन से खुलता था। घटना के बाद उसमें जल्दी थंब नहीं लग पा रहा था, इसलिए हादसा इतना ज्यादा बड़ा हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। अधिकारी घटना की जांच में जुटे हैं। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) की वाइस चांसलर प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने कहा, अलीगंज में आग की घटना घटी है। जितने को हम बचा सकते हैं, हम उनको बचाएंगे। जिनकी मृत्यु हो गई है उनका पंचनामा करके ऑटोप्सी करानी जरूरी है। अभी सब शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अखिलेश यादव ने कहा कि जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है। जिन परिवारों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने सरकार से घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। इसके पीछे के कारणों की ईमानदारी से जांच होनी चाहिए, क्योंकि ऐसे हादसों का शिकार किसी भी परिवार के बच्चे हो सकते हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भविष्य में इस तरह के दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सभी को मिलकर गंभीर प्रयास करने चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के KGMU ट्रॉमा सेंटर पहुंचने को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं। घायलों और मृतकों की स्थिति को लेकर अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। अग्निकांड में घायल जयंत गुप्ता को ट्रॉमा सर्जरी वार्ड में शिफ्ट किया गया है। वह जलती इमारत से कूद गया था। उन्होंने यह भी कहा कि केवल आरोप-प्रत्यारोप से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि प्रभावी कदम उठाकर ऐसी घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करनी होगी। लखनऊ के कोचिंग सेंटर अग्निकांड में अब तक 6 मृतकों के शव पोस्टमार्टम हाउस लाए गए हैं। अब तक सामने आई जानकारी के अनुसार मृतकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। पोस्टमार्टम हाउस भेजे गए मृतकों में सागर (27), नीलेश (27), अनामिका (28), श्याम (30), अनुचा (25) और सोमलया (30) शामिल हैं। मृतकों की पहचान और अन्य औपचारिक प्रक्रिया जारी है। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई। जान बचाने के लिए कुछ लोगों ने ऊपरी मंजिल से तार के सहारे नीचे उतरकर खुद को सुरक्षित किया। KGMU कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं। मृतकों में 12 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। KGMU ट्रॉमा सेंटर में मृतकों के परिजन पहुंच चुके हैं। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मरने वालों में 3 महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें इमरजेंसी एग्जिट नहीं थी। हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, लखनऊ में जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसी में मौजूद पेट शॉप और क्लिनिक से बिल्लियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। लखनऊ अग्निकांड में मृतकों के शव KGMU में रखे गए हैं। जैसे-जैसे शव अस्पताल पहुंच रहे हैं, उन्हें सुरक्षित रखा जा रहा है और आगे की प्रक्रिया की जा रही है। मेडिकल कॉलेज (KGMU) के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने 15 मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि 15 शव मेडिकल कॉलेज लाए गए हैं। शवों को मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर में रखा गया है। वहां से उन्हें पोस्टमॉर्टम हाउस भेजा जाएगा। अलीगढ़ में CM योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ की घटना पर कहा कि मुझे अभी लखनऊ में हुए हादसे की जानकारी मिली है। आग की घटना में कुछ बच्चों की दुखद मौत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है। इस दुखद घटना के चलते मैं तुरंत लखनऊ लौट रहा हूं। उन्होंने मृतक बच्चों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई। CM ने DGP और अपर मुख्य सचिव (गृह) को मौके पर जाकर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घटना की तह तक जाएंगे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एम्बुलेंस कम पड़ गई हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के जॉइंट डायरेक्टर से तत्काल और एम्बुलेंस भेजने के लिए कहा है। लखनऊ के अलीगंज में जिस कोचिंग सेंटर में आग लगी थी, वहां से शवों को निकाला जा रहा है। डिप्टी CM ब्रजेश पाठक और अन्य अधिकारी आग लगने वाली जगह पर मौजूद हैं। मेडिकल कॉलेज (KGMU) के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि अब तक लाए गए शवों में बाहरी जलने की चोट (एक्सटर्नल बर्न इंजरी) कम दिखाई दे रही है। मौत का कारण दम घुटना (सफोकेशन) हो सकता है। धुएं की वजह से लोग सांस नहीं ले पाए। पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों की ज्यादा जानकारी मिल सकेगी। KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि अस्पताल में भी तक 7 घायल लोगों को लाया गया है। उन्होंने बताया कि सूचना मिली है कि 12-15 और लोग आ सकते हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे को देखते हुए अस्पताल को अलर्ट पर रखा गया है। अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने लखनऊ में आग की घटना पर दुख जताया। कहा- अलीगढ़ में रुकना तो चाहते थे, लेकिन एक दुखद घटना की सूचना प्राप्त होने पर तुरंत ही लखनऊ के लिए रवाना हो रहे हैं। जनसभा के बाद सीएम को आज रात अलीगढ़ सर्किट हाउस में रुकना था।

यूएई, भारत से ...

2016-17 में यह मात्र 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले वैश्विक ध्यान ने इस लक्ष्य को और तेज गति देने के संकेत दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, जबकि कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से अधिक है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62% ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए अर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

उद्धव के 6 सांसद शिंदे ...

उद्धव ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा- उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे। वहीं पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। इससे पहले संजय राउत ने X पर बताया था कि उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे।

सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली भारतीय भी बनीं, साउथ अफ्रीका का वर्ल्डकप में हाईएस्ट रनचेज

हरमनप्रीत 200 टी-20 खेलने वाली पहली क्रिकेटर

शानदार

मैनचेस्टर,एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टारगेट हासिल किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा और साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा रनचेज रहा।

रविवार को भारतीय कप्तान हरमप्रीत कौर का 200 टी-20 खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनीं। बतौर कप्तान यह उनका 200वां इंटरनेशनल मैच भी था। हरमन ने बतौर कप्तान भी 200वां इंटरनेशनल मैच खेला। वे इस मुकाम पर पहुंचने वाली भारत की पहली और दुनिया की दूसरी प्लेयर बन गई। इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 220 मैचों के साथ पहले स्थान पर हैं।

भारत ने इस मैच में पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 59 रन बनाए। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ भारत ने बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे। शेफाली विमेंस टी-20 इंटरनेशनल के एक ही मैच में भारत के लिए ओपनिंग बैटिंग और बॉलिंग करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई। इस मामले भारत की अमिता शर्मा पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 8 बार ऐसा किया है। भारतीय पारी के 15वें ओवर में अफ्रीकी पेसर शबनीम इस्माइल चोटिल हो गईं। ओवर की आखिरी गेंद पर ऋचा घोष ने सीधे शॉट खेला। इस्माइल ने फॉलोथ्रू में गेंद रोकने की कोशिश की। इस दौरान उनका हाथ चोटिल हो गया। गेंद लगते ही उनकी उंगली से खून बहने लगा। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। चरणी ने छठे ओवर में बिना रन दिए 2 विकेट लिए। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट (20) का कैच पकड़ा। फिर चौथी गेंद पर अनेरी डर्कसेन (0) को बोल्ड कर दिया।

> साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज है। यह उसका टूर्नामिंट में सबसे बड़ा रनचेज भी है। पहले स्थान पर इंग्लैंड है। टीम ने 2009 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 163 रन का टारगेट हासिल किया था।

हरमन ने 200 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले

हरमनप्रीत ने 200वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वह मेंस और विमेंस में ऐसा करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 184 मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेंस में आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग (163 मैच) पहले और रोहित शर्मा (159 मैच) दूसरे स्थान पर हैं।

श्री चरणी ने पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की

श्री चरणी ने भारत के लिए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की। चरणी ने अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट चटकाए। वे इस टूर्नामिंट में 10 विकेट हासिल कर चुकी हैं। पूनम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2020 में इतने ही विकेट चटकाए थे।

विराट कोहली ने औजला के सॉन्ग पर डांस किया

गुरुग्राम में स्टेज पर बैठकर गाने भी सुने

गुरुग्राम, एजेंसी

गुरुग्राम में क्रिकेटर विराट कोहली ने अपना ब्रांड 'One8' लॉन्च किया। इसके लिए रविवार रात द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) में इवेंट रखा गया। इसमें मशहूर पंजाबी सिंगर करन औजला भी पहुंचे।

कार्यक्रम में करन औजला ने कई गाने गाए। उन्होंने विराट कोहली के लिए अपना हिट सॉन्ग 'विनिंग स्पीच' भी सुनाया। इस दौरान विराट ने गाने की लाइन 'औजला दे कन्ना विच नट्टियां' पर करन औजला के साथ स्टेप किया। इसके बाद वह स्टेज पर बैठकर उनके गाने सुनते नजर आए।

इवेंट के दौरान विराट कोहली ने करन औजला से कहा- ₹मैं करन औजला का बहुत बड़ा फैन हूं। आप दिल से गाने लिखते हैं और यह बात आपके गानों में साफ नजर आती है। आप अपनी कहानी को अपने गानों के जरिए पेश करते हैं, जो काफी खास है। विनिंग स्पीच' वह गाना है जिससे मैं सबसे ज्यादा जुड़ाव महसूस करता हूं। यह गाना आपके जीवन के सफर को बयां करता है और मुझे इसमें अपने सफर की भी काफी समानताएं नजर आती हैं। यह गाना मेरे लिए बहुत खास है। मैच खेलने जाने से पहले भी मैं इसे कई बार सुन चुका हूं। ग्लोबल प्रीमियर इवेंट में शामिल होने के लिए विराट कोहली और करन औजला प्राइवेट जेट से दिल्ली पहुंचे।

एशियन रिले चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने गोल्ड जीता

100 मीटर रिले में चीन को हराया, भारत ने कुल 3 पदक अपने नाम किए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने एशियन रिले चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को हराते हुए 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। इस चैंपियनशिप में भारत ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए हैं।

टीम में श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं। इस चौकड़ी ने रेस के दौरान सटीक बैटन एक्सचेंज और बेहतरीन फिनिशिंग स्पीड का प्रदर्शन किया। भारत ने 43.85 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस रेस में चीन की टीम 44.09 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसने सिल्वर मेडल जीता। वहीं थाईलैंड ने 44.11 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। रिलायंस फाउंडेशन के कोच मार्टिन ओवेन्स के मार्गदर्शन में टीम ने इस रेस प्लान को सफलता के साथ पूरा किया। इस चैंपियनशिप में भारत के लिए तमन्ना और स्नेहा शानुवल्ली का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जिन्होंने दो-दो मेडल के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। महिला 4x100 मीटर में गोल्ड जीतने से पहले, इन दोनों एथलीटों ने मिक्स्ड 4x100 मीटर रिले में भी देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

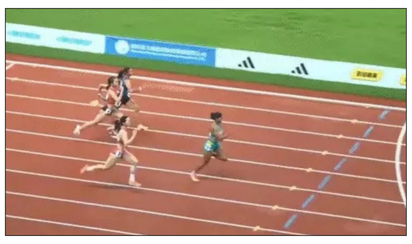

मिक्स्ड टीम में इनके साथ अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव शामिल थे, जिन्होंने 41.27 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस इवेंट में थाईलैंड (41.14 सेकंड) पहले और चीन (41.29 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहा। भारत को टूर्नामिंट का तीसरा पदक मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले इवेंट में मिला। इस टीम में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक शामिल थे। भारतीय चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ रेस पूरी की और सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम की टीम ने जीता।

सीरीज 1-1 से की बराबर, मैट हेनरी ने 11 विकेट लिए, न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट इंग्लैंड से 253 रन से जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रनों से हरा दिया। लंदन के ओवल मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले के पांचवें दिन 463 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में महज 209 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 11 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

हार के साथ इंग्लैंड के लिए ICC की तरफ से भी बुरी खबर आई। स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) की पॉइंट्स टेबल में उसके 12 अंक काट लिए गए।

इंग्लैंड को जीत के लिए पांचवें दिन 281 रन की जरूरत थी, जबकि उसके पांच विकेट शेष थे। चौथे दिन का खेल 5 विकेट पर 182 रन के स्कोर पर समाप्त हुआ था। अंतिम दिन इंग्लैंड की पारी महज एक घंटे के भीतर सिमट गई। इंग्लैंड की आखिरी उम्मीद अंतरिम कप्तान जो रूट थे, जो चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। खेल शुरू होने के केवल आठ मिनट बाद मैट हेनरी की अंदर आती गेंद पर वे एलबीडब्ल्यू हो गए। रूट अपने स्कोर में सिर्फ दो रन और जोड़ सके और 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

अगले टेस्ट में कप्तान बेन स्टोक्स की होगी वापसी, दर्शकों को मिलेगा 50% रिफंड

इंग्लैंड की इस करारी शिकस्त के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पुष्टि की कि नियमित कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन अगले हफ्ते ट्रेंट ब्रिज में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में वापसी करेंगे। लॉर्ड्स टेस्ट के बाद 'नाइट आउट' विवाद के चलते दोनों खिलाड़ियों की जांच चल रही थी, जिसके कारण उन्हें इस मैच से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड के अंतरिम कप्तान जो रूट चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, लेकिन पांचवें दिन वे अपनी पारी में केवल दो रन ही जोड़ सके और 77 रन के स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

इंग्लैंड में न्यूजीलैंड की सातवीं जीत

केन विलियमसन के अचानक संन्यास लेने के ठीक बाद मिली यह जीत न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड की सरजमीं पर यह अब तक की केवल सातवीं टेस्ट जीत है और इस सदी में तीसरी। पूरे मैच में न्यूजीलैंड ने खेल के हर विभाग में दबदबा बनाए रखा।

मैट हेनरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में भी शानदार स्पेल (6.1-3-4-5) डालते हुए मैच में पहली बार 10 या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। उनके ज्यादातर विकेट विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को स्टंप के नजदीक खड़ा रखकर मिले।

मनोरंजन

जाह्नवी-शनाया समेत पूरा कपूर परिवार सेलिब्रेशन में पहुंचा, रोहन ठक्कर के साथ हो रही शादी

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की प्री-वेडिंग शुरू

नई दिल्ली। फिल्ममेकर बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। अंशुला अपने मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। प्री-वेडिंग फंक्शंस की शुरुआत माता की चौकी से हुई, जिसमें पूरे कपूर परिवार ने हिस्सा लिया। शनाया कपूर ने इस पारिवारिक कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें पूरा परिवार पारंपरिक कपड़ों में नजर आ रहा है। अंशुला और रोहन ने पिछले साल जुलाई 2025 में सगाई की थी। अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में शनाया के साथ उनके पिता संजय कपूर, मां महीप कपूर और भाई जहान कपूर दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही अंशुला के भाई अर्जुन कपूर, बहन जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी पारंपरिक आउटफिट्स में मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं। शनाया ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'वी लव यू अंशुला और रोहन।' अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की लव स्टोरी साल 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए शुरू हुई थी। अपनी सगाई की जानकारी देते हुए अंशुला ने बताया था कि उनकी पहली बातचीत एक मंगलवार को रात 1:15 बजे शुरू हुई थी, जो घंटों चली थी। इसके ठीक तीन साल बाद रोहन ने न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में कैसल के सामने उसी समय यानी रात के ठीक 1:15 बजे अंशुला को शादी के लिए प्रपोज किया था।

माता की चौकी से हुई शुरुआत

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन की शुरुआत सांस्कृतिक तरीके से हुई। दोनों ने माता की चौकी का आयोजन किया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में यह कपल प्रार्थना करता नजर आ रहा है। पूजा संपन्न होने के बाद परिवार के सदस्यों ने संगीत और डांस के साथ इस कार्यक्रम का जश्न मनाया।

बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

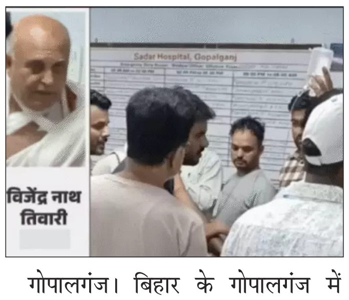

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है।

घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े।

विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना AIIMS रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। डॉक्टर एके मिश्रा ने बताया कि पीठ पर आधा इंच, एक कंधे पर एक इंच और दूसरे कंधे पर आधा इंच जख्म है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सदर SDPO-2 राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले विजेंद्र नाथ तिवारी अपने घर के पास मिट्टी भरवाए थे, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी बीच रविवार को आरोपी राजेश ने विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश साह के पिता महेश साह से विजेंद्र नाथ का विवाद था। इस विवाद में महेश जेल भी जा चुका था। राजेश पिता के जेल जाने का बदला लेना चाहता था। मामले को लेकर ने पंकज त्रिपाठी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ आया।

Hum Saath-Saath Hain

29 साल पहले आई थी ये फैमिली ड्रामा, ब्लॉकबस्टर रही थी बॉलीवुड मूवी

जियोहॉटस्टार पर धूम मचा रही 27 साल पुरानी फिल्म

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर हाल ही में कई नई फिल्में और वेब सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं। लेकिन इन सबके बीच एक 27 साल पुरानी फिल्म ने अपनी जगह बनाई है और टॉप-10 में ट्रेंड कर रही है।

फैमिली ड्रामा के तौर पर ये मूवी फिलहाल जियो हॉटस्टार पर ऑडियंस की पहली पसंद बन गई है। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी पुरानी फिल्म के बारे में बात की जा रही है।

बात की जाए फिल्म हम साथ-साथ हैं की तो ये अपने दौर की सबसे बेहतरीन मूवीज में से एक है। इस फिल्म में सलमान खान, मोहनिस बहल, सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे, करिश्मा कपूर, निरुपा रॉय, आलोक नाथ और नीलम कोठारी जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिका अदा की।

जियो हॉटस्टार पर ट्रेंड कर रही है ये मूवी

जिस फिल्म की इस लेख में बात की जा रही है, उसे 1999 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। मूवी की इमोशनल कहानी ने भी सभी का दिल जीता और इसी आधार पर ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म निर्माण राजश्री बैनर तले हुआ, अब तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां चर्चा फिल्म हम साथ-साथ हैं की जा रही है। निर्देशक सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में बनी हम साथ-साथ हैं फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑडियंस की पसंद बनी हुई है और मस्ट मूवी के तौर पर छाई हुई है। जिसके चलते हम साथ-साथ हैं हॉटस्टार पर नंबर-6 के पायदान पर ट्रेंड कर रही है।

फिल्म को इतनी अधिक लोकप्रियता मिली कि आज भी इसकी चर्चा की जाती है और फिलहाल जियो हॉटस्टार पर इसका ट्रेंड होना अपने आप में एक बड़ा सबूत है। फिल्म का जॉनर फैमिली ड्रामा था, जो उस वक्त दर्शकों का काफी रास आया था।

अपनी शानदार और दिल को छू जाने वाली कहानी की बदौलत हम साथ-साथ हैं कमर्शियल तौर पर काफी सक्सेसफुल रही। बॉक्स ऑफिस पर इस फैमिली ड्रामा फिल्म ने नेट 40 करोड़ का कारोबार किया था और इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 70 करोड़ रही थी। जबकि फिल्म का कुल बजट 17 करोड़ रुपये था।

कहा- पार्टी को नहीं लगता मैं अगला चुनाव जिता सकता हूं, एंडी बर्नहैम नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का इस्तीफा

ऐलान

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं।

स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। हाल के महीनों में कई सांसदों और मंत्रियों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन और गिरती लोकप्रियता ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ा दिया था।

कीर स्टार्मर ने सोमवार सुबह 10 डाउनिंग स्ट्रीट से पद छोड़ने का ऐलान किया।

स्टार्मर पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले छठे ब्रिटिश प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके थे।

2016 में ब्रेक्जिट जनमत संग्रह में हार के बाद डेविड कैमरन ने इस्तीफा दिया था। उनके बाद प्रधानमंत्री बनीं थेरेसा मे संसद से ब्रेक्जिट समझौता पारित नहीं करा सकीं और 2019 में पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद बोरिस जॉनसन ने कोविड लॉकडाउन के दौरान सरकारी आवास पर हुई पार्टियों और कई राजनीतिक विवादों के बीच 2022 में इस्तीफा दिया। जॉनसन के बाद लिज ट्रस प्रधानमंत्री बनीं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों से बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई। वह सिर्फ 49 दिन ही पद पर रह सकीं और अक्टूबर 2022 में इस्तीफा देना पड़ा। उनके बाद ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बने, लेकिन बढ़ती महंगाई, आर्थिक चुनौतियों और आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार के बाद जुलाई 2024 में उन्होंने भी पद छोड़ दिया। अब कीर स्टार्मर के इस्तीफे के साथ ब्रिटेन को सात साल में छठा और 10 साल में सातवां प्रधानमंत्री मिलने जा रहा है

ब्रिटेन की बड़ी पार्टियों के नियम भी नेताओं को हटाने का रास्ता आसान बना देते हैं। कंजर्वेटिव पार्टी में अगर 15% सांसद किसी नेता के खिलाफ चिट्ठी लिख दें, तो उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं, लेबर पार्टी में कोई दूसरा नेता तब दावेदारी पेश कर सकता है, जब उसे पार्टी के 20% से ज्यादा सांसदों और सदस्यों का समर्थन मिल जाए।

स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव क्यों बढ़ा

स्टार्मर ने 2024 में लेबर पार्टी को बड़ी चुनावी जीत दिलाई थी, लेकिन उसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। कई विवादों, नीतिगत यू-टर्न और जीवनस्तर में सुधार के वादों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से उनकी इमेज को नुकसान पहुंचा।

स्टार्मर की मुश्किलें तब और बढ़ गईं, जब उनके विरोधी एंडी बर्नहैम ने शुक्रवार को उपचुनाव जीत लिया। इस जीत के बाद बर्नहैम पार्टी की कमान संभालने की दावेदारी पेश कर सकते हैं। जीत के बाद बर्नहैम ने कहा कि वह देश को नई दिशा देना चाहते हैं। बर्नहैम के सहयोगी स्टार्मर से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया कि वह जरूरत पड़ने पर स्टार्मर को नेतृत्व के लिए चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, स्टार्मर ने 19 जून को साफ कहा था कि मैं अपने नेतृत्व के खिलाफ आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करूंगा। साथ ही लेबर पार्टी के नेताओं से आपसी खींचतान से बचने की अपील की थी।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन प्राप्त बताया जा रहा है।

अपने संबोधन के अंत में स्टार्मर ने पत्नी विक को गले लगाया। इसके बाद दोनों साथ में 10 डाउनिंग स्ट्रीट के भीतर लौट गए।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की वजह

एक्सपर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की बड़ी वजह वहां की संसदीय व्यवस्था है। वहां प्रधानमंत्री को लोग सीधे नहीं चुनते, बल्कि उनकी पार्टी के सांसद उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री तब तक पद पर बने रहते हैं, जब तक पार्टी के सांसद उनके साथ खड़े हों।

अगर सांसदों को लगने लगे कि किसी नेता की घटती लोकप्रियता से अगले चुनाव में पार्टी को नुकसान हो सकता है, तो वे बिना आम चुनाव कराए भी नया नेता चुनने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यही वजह है कि ब्रिटेन में पार्टी का समर्थन कमजोर पड़ते ही प्रधानमंत्री बदलने की नौबत जल्दी आ जाती है।

फास्ट न्यूज

अमेरिका-ईरान जंग में बिचौलिया बनकर चमकने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पिछले कई सालों से कंगाली, आतंकवाद और वैश्विक मंच पर 'थू-थू' झेलने वाला पाकिस्तान इस समय दुनिया के सामने अपनी छवि बदलने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध में अचानक पाकिस्तान एक 'बिचौलिया' बनकर उभरा है।

चांदी आज 5,826 महंगी, 2.37 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में 22 जून को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 5,826 रुपए बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंची। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.32 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,694 रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक दिन पहले इसकी कीमत 1.44 रुपए थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

ट्रंप की धमकियों और ईरानी वॉकआउट के बीच हुआ शांति समझौता

बर्न । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की धमकियों और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के कुछ समय के वॉकआउट से पैदा हुए भारी तनाव के बावजूद स्विट्जरलैंड में हुई पहली उच्च स्तरीय अमेरिका-ईरान वार्ता में कई महत्वपूर्ण समझौते हो गए हैं। कतर और पाकिस्तान द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'लेक ल्यूसर्न शिखर सम्मेलन' के समापन की घोषणा की गई है।

कतर के गैस प्लांट में जोरदार धमाका, 54 लोग घायल

दोहा, एजेंसी

कतर के प्रमुख रस लाफान औद्योगिक क्षेत्र स्थित बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में रविवार रात एक भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 54 कर्मचारी घायल हो गए हैं, जबकि 18 अन्य अभी भी लापता हैं।

दरअसल, यह हादसा उस वक्त हुआ, जब ईरान की बमबारी और स्टेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी के बाद कर्मचारी टर्मिनल में दोबारा परिचालन शुरू करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान यहां विस्फोट के कारण आग लग गई। दुनिया के शीर्ष प्राकृतिक गैस उत्पादकों में शुमार कतर के इस प्रमुख निर्यात केंद्र में हुए हादसे से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल मच सकती है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण कतर अपने ग्राहकों को गैस की आपूर्ति नहीं कर पा रहा था, जिसके चलते कतर ने अपना उत्पादन बंद कर

दिया था। ईरान द्वारा युद्ध के स्थायी अंत के लिए जारी शांति वार्ता के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अपनी नाकेबंदी ढीली करने के बाद करत ने पने निर्यात टर्मिनल को फिर से शुरू करने का प्रयास शुरू किया। सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि रविवार रात इसी कार्य के चलते बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट और आग लग गई। जिसमें 54 लोग घायल हो गए, जबकि 18 लोग लापता हैं। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का सटीक आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि केवल कुछ ही लोग घायल हुए हैं। लेकिन कुछ घंटों बाद कतर के गृह मंत्रालय ने हताहतों की कहीं अधिक संख्या बताई।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी, भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा

जिस पल पानी पर खतरा लगा हम जंग शुरू कर देंगे : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल ARY न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के PM नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

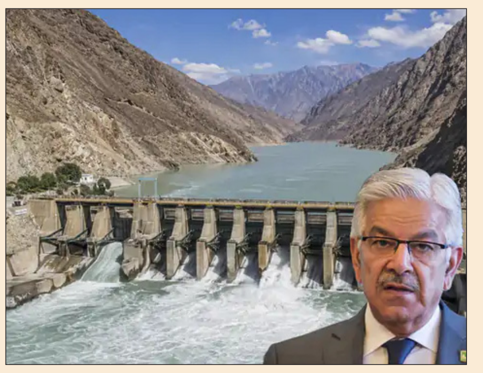

पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30% से 50% तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

गंभीर जल संकट का सामना कर रहा पाकिस्तान

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। खासकर सिंध और बलूचिस्तान में पानी की कमी लगातार बढ़ रही है। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक-

नॉर्थ वेस्ट कैनाल में 64.1% पानी की कमी है।

राइस कैनाल में 38% की कमी दर्ज की गई है।

दादू कैनाल में 82% तक पानी की कमी है।

पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था के अहम हिस्से सुक्कुर बैराज को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। पानी का स्तर लगातार घटने से कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

‘ट्रंप के इशारों पर काम नहीं करता’

नेतन्याहू ने लेबनान से सेना हटाने से किया इनकार

संबोधन

- इजरायल और अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों पर स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं
- नागरिकों की सुरक्षा के लिए दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना रहेगी तैनात- नेतन्याहू

यरुशलम, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यरूशलेम में JNS समिट को संबोधित करते ट्रंप के साथ अपने संबंधों पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि इजरायल और अमेरिका दोनों स्वतंत्र राष्ट्र हैं और वे अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार कार्य करते हैं। वहीं, स्वीटजरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस बातचीत का परिणाम चाहे जो भी हो, वे ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जब तक जरूरत महसूस होगी तब तक इजरायली सेना दक्षिण लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में तैनात रहेगी। लेबनान का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा, इजरायल का विवाद ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह से है, न कि लेबनान से, मुझे उम्मीद है कि अगर हिजबुल्लाह इजरायली सुरक्षा को खतरा देना बंद कर दे तो लेबनान के साथ शांति का रास्ता निकल सकता है।

> “नेतन्याहू ने कहा, अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजरायल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रंप चाहते हैं। लेकिन दोनों ही बातें गलत हैं। हम ट्रंप के इशारे पर काम नहीं करते। हम आजाद और गौरवशाली देश के नेता हैं।

हमने ईरान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया

यरुशलम में आयोजित जेएनएस शिखर सम्मेलन में नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर इजरायली सेना ने इतिहास का सबसे बड़ा हवाई अभियान चलाया और ईरान के परमाणु ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन हमने इस दौरान सिर्फ ईरान पर ही हमला नहीं किया, बल्कि ईरान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

इजरायल की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

इजरायली पीएम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता इजरायल की सुरक्षा है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अक्सर अमेरिका-इजरायल की राय एक जैसी होती है। कभी-कभी नहीं भी होती। लेकिन, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हम एक-दूसरे की संप्रभुता, नेतृत्व और अपने लोगों के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं।

फिलीपींस के स्कूल में गोलीबारी, 3 छात्रों की मौत

मनीला, एजेंसी

मध्य फिलीपींस के टाक्लोबन शहर स्थित एक स्कूल में सोमवार सुबह अंधाधुंध गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में तीन छात्रों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 9 बजे बरंगाय सैन जोस के एक स्कूल परिसर के भीतर हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एक संदिग्ध नाबालिग को हिरासत में लिया है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कानून के उल्लंघन में शामिल एक संदिग्ध नाबालिक को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान 'कानून के उल्लंघन में शामिल एक नाबालिग के रूप में हुई है, जो बरंगाय सैन जोस का रहने वाला है।

पुलिस ने घटना की जांच और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है, और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गोलीबारी की वजह क्या थी? आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसके कारण यह गोलीबारी हुई। फिलहाल पुलिस ने ने पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की है और कहा है कि उनके परिवारों को अभी सूचित नहीं किया गया है।

टाक्लोबन सिटी पुलिस कार्यालय के मुताबिक, घटना के सही कारणों और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। इसके साथ ही, पुलिस अधिकारी हिरासत में लिए गए आरोपी से पूछताछ कर रहे हैं और मामले के दूसरे फरार संदिग्ध की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

टारगेट : जियो आईपीओ से कमाई का रास्ता खुलेगा, न्यू एनर्जी और एआई से ग्रोथ मिलेगी

ब्रोकरेज हाउसेज ने डिकोड की रिलायंस की एजीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के शेयर में आज कारोबार के दौरान 2% से ज्यादा की तेजी है। कंपनी का शेयर 1,345 के स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को हुई 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) के बाद कई बड़े ब्रोकरेज हाउसेज ने इसके भविष्य के रोडमैप और जियो इन्फोकॉम के IPO के लिए सेबी (Sebi) के पास दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस (DRHP) को लेकर अपनी एनालिसिस रिपोर्ट जारी की है। नोमुरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 'रिलायंस इंटेलिजेंस' अब प्लानिंग के फेज से निकलकर एग्जीक्यूशन के फेज में आ चुका है।

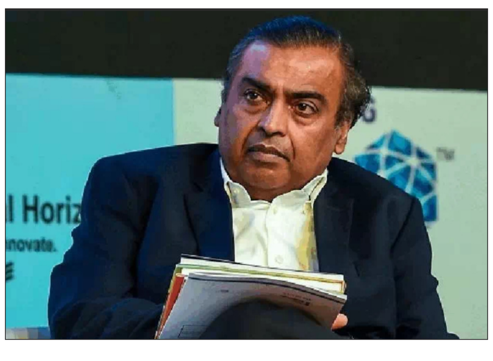

जामनगर में बन रहे सोवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब में वित्त वर्ष 2026 के अंत तक पहले 120 मेगावाट क्षमता को टारगेट किया जा रहा है। यह रिलायंस के लिए शुरुआती फेज का एक बड़ा कैपेक्स निवेश है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने कहा कि कंपनी ने अगले 5 सालों में अपने कंसोलिडेटेड अर्निंग बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन को दोगुना से अधिक करने का लक्ष्य रखा है।

Reliance
Industries Limited

ऑयल-टू-केमिकल्स और दहेज-नागोथने प्रोजेक्ट्स

एमके ग्लोबल के अनुसार, ऑयल-टू-केमिकल्स (O2C) सेगमेंट में ग्रोथ का अगला फेज हाई-वैल्यू केमिकल्स और मैटेरियल्स में निवेश से आएगा। दहेज में 3 mmtpa क्षमता का PTA प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे पॉलिएस्टर वैल्यू चेन में रिलायंस की स्थिति मजबूत होगी। वहीं नागोथने में 1.2 mmtpa क्षमता का PVC प्रोजेक्ट भारत की आयात पर निर्भरता को कम करेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर, कंस्ट्रक्शन व कंज्यूमर सेगमेंट की घरेलू मांग को पूरा करेगा। एमके ग्लोबल ने शेयर पर 1,680 के टारगेट प्राइस के साथ बाय रेटिंग दी है।

डिजिटल सेगमेंट रहेगा ग्रोथ ड्राइवर

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक, रिलायंस जियो कंपनी का सबसे बड़ा ग्रोथ ड्राइवर बना रहेगा और डिजिटल सेगमेंट रिलायंस के कुल इंक्रीमेंटल EBITDA में लगभग 80% का योगदान देगा।

वित्त वर्ष 2026-28 के बीच वायरलेस टैरिफ हाइक (वित्त वर्ष-2027 की दूसरी तिमाही में 15% बढ़ोतरी), वायरलेस मार्केट शेयर में बढ़त और होम्स व एंटरप्राइज सेगमेंट के विस्तार से 18% का EBITDA CAGR देखने को मिल सकता है।

कतर पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति को किया 'इग्नोर'

यूजर्स बोले- क्या बैठक में महाशक्ति की बेइज्जती हुई?

स्विट्जरलैंड, एजेंसी

सोशल मीडिया पर इस समय स्विट्जरलैंड से आया एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर इंटरनेट पर नई बहस छिड़ गई है। दावा किया जा रहा है कि स्विट्जरलैंड में चल रही एक हाई-लेवल बैठक के दौरान कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुर्रहमान अल थानी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को नजर-अंदाज किया।

हालांकि इस बात को इतनी तवज्जो इसलिए भी दी जा रही है, क्योंकि वायरल वीडियो में ये देखा जा रहा है कि कतर के प्रधानमंत्री अल थानी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का तो गर्मजोशी से स्वागत किया, लेकिन वहीं खड़े जेडी वेंस को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। सोशल मीडिया पर लोग इसे अमेरिका की 'राजनयिक बेइज्जती' के तौर पर देख रहे हैं। बता दें कि यह पूरा वाकया स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में हुआ, जहां पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और युद्ध को रोकने के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में चार देश अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर शामिल हुए थे। वायरल वीडियो में कतर के प्रधानमंत्री और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ से गले मिलते और हाथ मिलाते दिख रहे हैं। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कमरे में थोड़े पीछे खड़े नजर आ रहे हैं, जिनसे किसी ने हाथ नहीं मिलाया।

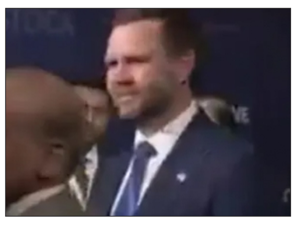

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676